www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 325 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
20 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:40
सूर्यास्तः 06:01
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 16°00

पेज 07

विशेष समाचार
विदेशी नागरिकता, विदेशी... >> पेज 04
मथुरा में नहर में गिरी कार... >> पेज 06
सलमान के पिता सलीम ...

मुफ्त बिजली-पानी देने से काम करने की आदत ही खत्म हो जाएगी, सरकारें रोजगार दें : सुप्रीम कोर्ट

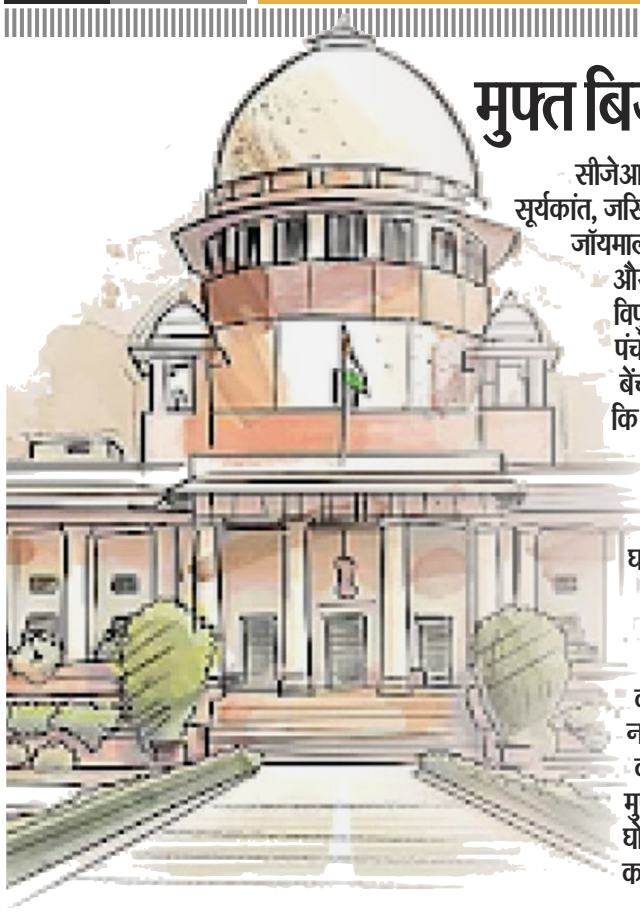

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं।

'फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे'

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

> राज्य विकास परियोजनाओं पर खर्च करने के बजाय दो ही काम कर रहे हैं। वेतन देना और इस प्रकार की रियायतें बांटना।
>
> - जस्टिस सूर्यकांत
> चीफ जस्टिस, सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहली 100 यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीजेआई सूर्यकांत के 3 कमेंट

आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं?

अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा?

हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

मुफ्त राशन बांटने पर सुप्रीम कोर्ट के पिछले बयान

यह पहली बार नहीं है, जब कोर्ट ने फ्रीबीज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 12 फरवरी 2025 को कहा था, 'लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं। बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं।'

कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं?

वहीं 9 दिसंबर 2024 को भी केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था- कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

एआई समिट में अंबानी ने कहा- डेटा की तरह सस्ता होगा एआई, 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे

डीपफेक रोकने के लिए एआई कंटेंट पर लेबल लगे : पीएम

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने AI के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया। पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके। वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को 'इंटेलिजेंस युग' में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है। समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के CEO सुंदर पिचाई और ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया। >> (शेष पेज 06 पर)

इंडिया AI इम्पैक्ट समिट 2026 का गुरुवार को चौथा दिन है। समिट को आज कई ग्लोबल लीडर्स संबोधित कर रहे हैं।

अंबानी बोले- डेटा की तरह सस्ता होगा एआई

रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि जिस तरह जियो ने देश में डेटा सस्ता किया, उसी तरह अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी आम भारतीय तक किफायती दरों पर पहुंचाया जाएगा। इस दिशा में जियो और रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले सात साल में 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

एआई कंपनी ओपनएआई और एंथ्रोपिक के बीच की कॉम्पिटिशन एक बार फिर चर्चा में है। आज इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान एक ग्रुप फोटो ली जा रही थी। इस दौरान ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के को-फाउंडर डारियो अमोदेई एक-दूसरे का हाथ नहीं पकड़ा।

एआई में भय नहीं 'भाग्य' और भविष्य

पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने 'भाग्य' और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है।

मोदी ने एआई के लिए एक नया ग्लोबल फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने कहा कि एआई Moral (नैतिक), Accountable (जवाबदेह), National Sovereignty (संप्रभुता), Accessible (सुलभ) और Valid (वैध) होना चाहिए, ताकि यह केवल डेटा पॉइंट न बनकर मानवता के कल्याण का जरिया बने।

ब्रजेश पाठक ने 101 बटुकों को बुलाकर किया सम्मान

यूपी में ब्राह्मण राजनीति पर घमासान

सियासत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने माघ मेले में बटुकों की शिखा खींचने के विवाद पर उन्हें सम्मानित किया. ब्रजेश पाठक ने कहा कि ब्राह्मणों की शिखा छूना महापाप है और किसी को टच करने का अधिकार नहीं है.

माघ मेले के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ मौजूद बटुकों की शिखा खींचे जाने के आरोप के बाद यूपी की राजनीति में मचे हंगामे के बीच राज्य सरकार अब स्पष्ट रूप से डैमेज कंट्रोल मोड में दिखाई दे रही है. डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को अपने आवास पर 101 बटुकों को बुलाकर सम्मान किया, उन्हें फूल-मालाएं पहनाईं, तिलक लगाया और उनकी शिखा का आदर करते हुए आशीर्वाद लिया। >> (शेष पेज 06 पर)

माघ मेला में बटुकों की शिखा खींचे जाने के बाद यूपी में राजनीति गरमा गई

फास्ट न्यूज

राजस्थान में ओले गिरे, एमपी के 25 जिलों में बारिश

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन समेत 25 से अधिक जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ीं।

वरदात **घटना**

बेंगलुरु में पैरालाइज्ड पति के सामने महिला का गला काटा

बेंगलुरु। बेंगलुरु के नेलमंगला में 70 साल की एक महिला की घर में गला रेतकर हत्या कर दी गई। वारदात के समय उनका पैरालाइज्ड पति बिस्तर पर उनके पास ही लेटा था। ऐसा लग रहा था कि पति को पत्नी की हत्या की भनक भी नहीं लगी है।

आरोपी महिला की हत्या के बाद करीब 65 लाख रुपए के सोने के गहने लूटकर फरार हो गया। मृतका का नाम शोभा था। वह अपने पति रंगनाथ के साथ कोटे बेदी इलाके में रहती थीं। दंपती की कोई संतान नहीं थी। रंगनाथ पिछले 15 साल से पैरालाइज्ड और बिस्तर पर हैं।

रेस्टोरेंट्स ने 70,000 करोड़ की बिरयानी बिक्री छिपाई

हैदराबाद/ बेंगलुरु । हैदराबाद में बिरयानी रेस्टोरेंट चेन की जांच करते हुए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने देशभर में फैले एक बड़े टैक्स चोरी घोटाले का खुलासा किया है। विभाग का दावा है कि 2019-20 से अब तक कम से कम 70,000 करोड़ की बिरयानी बिक्री छिपाई गई।

मां कामाख्या के दरबार में प्रियंका ने लगाई हाजिरी

दो दिन के दौरे पर गुवाहाटी पहुंची प्रियंका गांधी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । असम में विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनावी साल में कांग्रेस ने सक्रियता बढ़ा दी है. पार्टी ने असम में विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों के ऐलान से पहले ही पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी को मैदान में उतार दिया है. असम के लिए कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की प्रमुख और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी दो दिन के असम दौरे पर गुवाहाटी पहुंच गई हैं. प्रियंका गांधी ने गुवाहाटी पहुंचते ही कामाख्या मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की. इस दौरान उनके साथ कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी थे. कामाख्या मंदिर में पूजा अर्चना के बाद प्रियंका गांधी ने कहा कि कामाख्या माता का आशीर्वाद लेने आई. उन्होंने यह भी कहा कि असम की सभ्यता संस्कृति का आदर करते हुए आई हूं. कामाख्या देवी के साथ करोड़ो लोगों की आस्था जुड़ी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

जिलाध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठकें करेंगी प्रियंका

किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू गिरफ्तार

आरोप

एपस्टीन मामले में नाम, 17 साल की लड़की से रेप का आरोप, शाही घर भी छीना जा चुका

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली, लंदन । ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत बर्ताव के शक में पकड़ा गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने उन्हें गुरुवार सुबह करीब 8 बजे सैंड्रिंघम में उनके घर से हिरासत में लिया। बता दें कि एंड्रयू का आज ही जन्मदिन है। दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जीनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब प्रिंस एंड्रयू ने उनका यौन शोषण किया था। हालांकि, एंड्रयू ने ग्रिफे के सभी आरोपों को खारिज किया था। गिफ्रे की अप्रैल 2025 में मौत हो गई थी। इसकी वजह आत्महत्या बताई गई थी। एंड्रयू को पकड़ने के लिए गुरुवार सुबह सादे कपड़े में पुलिस पहुंची थी। वह आधुनिक इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले शाही सदस्य बन गए हैं। किंग चार्ल्स ने अपने छोटे भाई एंड्रयू की गिरफ्तारी पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि कानून को अपना काम करने दिया जाएगा। अब आगे इस मामले की पूरी, निष्पक्ष और सही तरीके से जांच की जाएगी और यह काम संबंधित अधिकारी करेंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

एंड्रयू को उम्रकैद की सजा हो सकती है

इंग्लैंड में सार्वजनिक पद पर रहने हुए कदाचार गंभीर अपराध माना जाता है। इस अपराध में यह साबित होना जरूरी है कि व्यक्ति को पता था कि वह गलत कर रहा है, फिर भी उसने ऐसा किया। इस अपराध में अधिकतम सजा उम्रकैद हो सकती है। इस मामले की सुनवाई सिर्फ गंभीर आपराधिक आरोप के तहत अदालत में की जा सकती है। >> (शेष पेज 06 पर)

फोटो में प्रिंस एंड्रयू हैं, जिनका हाथ 17 वर्षीय वर्जिनिया गिफ्रे की कमर पर है। फोटो 10 मार्च 2001 को लंदन में एपस्टीन की गर्लफ्रेंड गिसलीन मैक्सवेल के घर पर ली गई थी।

> एंड्रयू को पकड़ने के लिए गुरुवार सुबह सादे कपड़े में पुलिस पहुंची थी। वह आधुनिक इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले शाही सदस्य बन गए हैं।

000 : ईसी बोला- अप्रैल से प्रक्रिया शुरू होगी, अभी 12 राज्यों में वोटर्स वेरिफिकेशन जारी

22 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEO) को लेटर लिखकर SIR से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है।

चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में SIR प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। लेटर में आगे कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 जून को आदेश दिया था कि पूरे देश में SIR किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने पहले फेज में बिहार में SIR करवाया था। दूसरे फेज के तहत, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्टूबर 2025 से SIR जारी है। असम में, SIR के बजाय स्पेशल रिवीजन 10 फरवरी को पूरा किया गया था। >> (शेष पेज 06 पर)

SIR सबसे पहले बिहार में हुआ था। दूसरे फेज में 12 राज्यों में इसकी घोषणा हुई थी।

एसआईआर में वोटर को क्या करना होगा?

SIR के दौरान BLO/BLA वोटर को फॉर्म देंगे। वोटर को उन्हें जानकारी मैच करवानी है। अगर दो जगह वोटर लिस्ट में नाम है तो उसे एक जगह से कटवाना होगा। अगर नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो जुड़वाने के लिए फॉर्म भरना होगा और संबंधित डॉक्यूमेंट्स देने होंगे।

एसआईआर के लिए कौन से दस्तावेज मान्य?

- पेंशनर पहचान पत्र
- किसी सरकारी विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र
- जन्म प्रमाणपत्र
- पासपोर्ट
- 10वीं की मार्कशीट
- स्थायी निवास प्रमाणपत्र
- वन अधिकार प्रमाणपत्र
- जाति प्रमाणपत्र
- राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआरसी) में नाम
- परिवार रजिस्टर में नाम
- जमीन या मकान आवंटन पत्र
- आधार कार्ड

गगनयान मिशन के ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन टेस्ट सफल

ये एस्ट्रोनॉट्स की धरती पर वापसी में जरूरी

परीक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ़ । भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा हुआ। क्वालिफिकेशन लेवल टेस्ट में अधिकतम उड़ान भार से ज्यादा लोड डालकर पैराशूट की मजबूती और सुरक्षा मार्जिन की जांच की गई।

इस टेस्ट के बाद पक्का हुआ कि भारत मजबूत और बड़ी क्षमता वाले रिबन पैराशूट को डिजाइन और बनाने में पूरी तरह सक्षम है। साथ ही पैराशूट असली मिशन जैसी परिस्थितियों में भी सुरक्षित और ठीक तरह से काम करेगा।

गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए ड्रोग पैराशूट बहुत जरूरी है। यह टेस्ट बुधवार (18 फरवरी) को चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (TBRL) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (RTRS) सुविधा में किया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

रूस, अमेरिका और चीन के बाद भारत स्पेस में इंसान भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा।

बटुकों की पूजा के बाद पाठक ने भागवत से मुलाकात की, केशव भी पहुंचे

योगी के बाद दोनों डिप्टी सीएम संघ प्रमुख से मिले

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत से सीएम योगी के बाद दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक ने मुलाकात की। गुरुवार सुबह दोनों डिप्टी सीएम अलग-अलग निराला नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर पहुंचे।

करीब 20-20 मिनट मोहन भागवत से इनकी मुलाकात हुई। इन मुलाकातों को सरकार-संगठन और संघ के बीच समन्वय के नजरिए से

अहम माना जा रहा। सुबह पहले डिप्टी सीएम केशव मौर्य भागवत से मिलने के लिए पहुंचे। भागवत से विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। थोड़ी देर बाद ही डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुंचे। उनसे भी कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। अहम यह रहा कि गुरुवार सुबह ब्रजेश पाठक ने पहले अपने आवास पर बटुकों की पूजा की। इसके बाद वह भागवत से मिलने के लिए पहुंचे। संघ प्रमुख इन

संघ प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी के बीच अयोध्या में 25 नवंबर, 2025 को मुलाकात हुई थी। वक्त था राम मंदिर में धर्म ध्वजा समारोह का। दोनों के बीच करीब आधे घंटे की मुलाकात हुई थी।

गुरुवार सुबह ब्रजेश पाठक ने पहले अपने आवास पर बटुकों की पूजा की। इसके बाद वह भागवत से मिलने के लिए पहुंचे।

'आरएसएस भाजपा का रिमोट कंट्रोल नहीं'

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ भाजपा का रिमोट कंट्रोल नहीं है। संघ के स्वयंसेवक भाजपा में जाते हैं। वहां आगे भी बढ़े हैं। लेकिन यह कहना गलत है कि संघ भाजपा को चलाता है। हालांकि, भाजपा का विरोध करने वाले लोग ही संघ का विरोध करते हैं। मोहन भागवत ने अमेरिकी टैरिफ पर कहा- यह उनका पुराना तरीका है। वे हथियार और आर्थिक ताकत के दम पर झुकाना चाहते हैं। लेकिन भारत इतना मजबूत है कि उनके आगे झुका नहीं है। हमारी जनता तैयार है। इसलिए इसका भारत पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

दिनों यूपी के दौरे पर हैं। गोरखपुर के बाद मंगलवार को लखनऊ पहुंचे। आज वह मेरठ रवाना होंगे। संघ प्रमुख ने लखनऊ में दो

'हिंदू समाज बंटा हुआ'

संघ प्रमुख मोहन भागवत न कहा, 'जाति नाम की कोई व्यवस्था अब रहनी नहीं चाहिए। पहले यह काम के आधार पर थी, अब समय बदल गया है। जाति की दीवारें धीरे-धीरे टूट रही हैं। हिंदू समाज में ताकत है, लेकिन वह बंटा हुआ है और स्वार्थ में फंसा है। अगर समाज एकजुट हो जाए तो देश को आगे बढ़ा सकता है। नई चीजों का विरोध नहीं है, लेकिन पश्चिमीकरण की नकल सही नहीं है। आधुनिक बनें, लेकिन अपनी जड़ों और संस्कृति को न भूलें। संयुक्त परिवार अब कम हो गए हैं, लेकिन रिश्तों का भाव बना रहना चाहिए। हफ्ते में कम से कम एक बार परिवार साथ बैठे। बच्चों को संस्कार घर और स्कूल दोनों से मिलते हैं।'

दिनों के प्रवास के दौरान संगठन विस्तार और सामाजिक समरसता पर खोस फोकस किया। उन्होंने लखनऊ यूनिवर्सिटी और इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित किया।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग में 25 शिकायतों की जनसुनवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने गुरुवार को इंदिरा भवन स्थित आयोग कार्यालय में विभिन्न जनपदों से प्राप्त 25 शिकायतों एवं पत्रावलियों पर जनसुनवाई कर समस्याओं का निस्तारण किया। सुनवाई के दौरान कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए तथा कुछ प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई गई। लखनऊ निवासी रामआसरे सिंह के मामले में उपनिदेशक व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मिशन पद पर चयन के बावजूद कार्यभार न दिलाए जाने की शिकायत पर आयोग ने संज्ञान लिया। निदेशक कौशल विकास मिशन की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपस्थित अधिकारी को कार्यभार ग्रहण कराए जाने के बाद आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

आजमगढ़ निवासी सोहित यादव के मामले में उपजिलाधिकारी ने अवगत कराया कि भूमि सीमांकन कर पत्थरगढ़ी कराते हुए प्रकरण का निस्तारण कर दिया गया है। सहारनपुर के राजीव सैनी के मामले में विकास प्राधिकरण द्वारा नक्शा पास न किए जाने पर सुनवाई हुई, जिसमें पैरामाउंट हाउसिंग सोसाइटी के निदेशक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए।

फास्ट न्यूज

राहुल गांधी पर एफआईआर की मांग मामले की सुनवाई टली

लखनऊ । कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर FIR की मांग मामले की सुनवाई टल गई है। आज, 19 फरवरी को इसकी सुनवाई लखनऊ हाईकोर्ट में होनी ती। समय की कमी के चलते यह नहीं हो पाई। अगली तारीख 23 फरवरी तय की गई है। लखनऊ के एमपी-एमएलए कोर्ट ने 28 जनवरी 2026 को राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता से जुड़े आरोपों के आधार पर एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी।

शिक्षक समायोजन पर अंतरिम रोक एक हफ्ते बढ़ी

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षकों के समायोजन प्रक्रिया पर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई हुई। न्यायालय ने इस मामले में अंतरिम रोक आदेश को एक हफ्ते तक बढ़ा दिया है। अगली सुनवाई 26 फरवरी को होगी, जिसमें याचियों को अपनी लिखित बहस दाखिल करने को कहा गया है। याची की ओर से उपस्थित अधिवक्ताओं ने न्यायालय को बताया कि शिक्षकों के समायोजन में नियमों की अनदेखी की गई है।

सरोजनी नगर में नाला उफनाया, दुकानों के सामने भरा

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ के सरोजनीनगर द्वितीय वार्ड में नगर निगम जोन-5 की कथित लापरवाही के कारण स्थानीय दुकानदारों और क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कानपुर रोड स्थित बाग नंबर-3, एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास नाला उफन गया है, जिससे दुकानों के सामने गंदे नाले का पानी भर गया है।

हादसा : कानपुर एक्सप्रेसवे से बैंक मैनेजर की गाड़ी पर गिरा पाइप

पिचक गई कार, मैनेजर बचीं 30 फीट ऊंचाई से भरे हुए पानी के साथ गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में सड़क पर खड़ी कार पर 20 फीट लंबा पीवीसी पाइप गिर गया। इससे कार पिचक गई। गनीमत रही कि पानी भरा भारी पाइप गाड़ी के बोनट पर गिरा और उस समय कार के अंदर कोई बैठा नहीं था। कार बैंक मैनेजर की थी।

घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुई। कानपुर एलिवेटेड रोड (एक्सप्रेस वे) से करीब 30 फीट की ऊंचाई से पीवीसी पाइप नीचे गिर गया। यह पाइप कानपुर एलिवेटेड रोड से बरसात के पानी की निकासी के लिए लगाया गया था। गनीमत रही कि घटना के समय नीचे सड़क से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि

सड़क किनारे कार लगाकर ब्रांच गई थीं मैनेजर

यह घटना हनुमान मंदिर और बंथरा थाने के बीच कमल दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक के सामने हुई। बैंक की महिला शाखा प्रबंधक निवेदिता सिंह अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर कार्यालय में मौजूद थीं। पाइप का एक हिस्सा उनकी खड़ी कार के बोनट पर गिरने से कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पीएनसी कंपनी की ओर से बनाए गए इस एलिवेटेड रोड पर जलभराव रोकने और पानी को नीचे निकालने के लिए थोड़ी-थोड़ी दूरी पर फ्लाईओवर के किनारे से पिलरों के सहारे जमीन तक पीवीसी पाइप लगाए गए हैं।

यह पाइप काफी समय से ढीली स्थिति में था, लेकिन निर्माण कंपनी पीएनसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसी लापरवाही के कारण यह घटना हुई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

अखिलेश यादव बोले-आचार्य जी समाजवादी आंदोलन के प्रणेता

सपा ने आचार्य नरेन्द्र देव की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

गोमती तट स्थित समाधि स्थल पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

प्रख्यात समाजवादी चिंतक आचार्य नरेन्द्र देव की 70वीं पुण्यतिथि पर लखनऊ में गोमती तट स्थित मोती महल के पीछे उनकी समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा है कि आचार्य जी के नेतृत्व में ही देश में समाजवादी आंदोलन की नींव पड़ी थी। वे एक प्रखर शिक्षाविद, बहुभाषी विद्वान और बौद्ध दर्शन के गंभीर अध्येता थे। उनका जीवन सादगी, शुचिता और राष्ट्रसेवा का आदर्श उदाहरण रहा। समाजवादी पार्टी उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी दल के प्रमुख सिद्धांतकार के रूप में आचार्य जी ने समाजवाद की स्पष्ट व्याख्या की और किसान-मजदूरों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष

किया। काशी विद्यापीठ में आचार्य तथा लखनऊ और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उन्होंने शिक्षा और समाजवाद के लिए अपना जीवन समर्पित किया। देश सेवा के दौरान वे कई बार जेल भी गए। उनकी आस्था भारतीय संविधान में थी और वे धर्मनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक समाजवादी व्यवस्था के प्रबल समर्थक रहे। इस अवसर पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में आचार्य जी के परिजन—यशोवर्धन, मीरावर्धन, देवक वर्धन, प्रियांशी अग्रवाल और देविका वर्धन—भी उपस्थित रहे।

मोती महल ट्रस्ट के पदाधिकारियों सहित समाजवादी पार्टी के अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपस्थित जनों ने आचार्य नरेन्द्र देव के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाजवादी मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

प्रदेश के सभी तीर्थ स्थलों में बढ़ती श्रद्धालु संख्या बेहतर व्यवस्थाओं का प्रमाण

'श्रीराम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए कोई शुल्क नहीं'

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में जहां लगभग 28 हजार विदेशी श्रद्धालु आए थे, वहीं वर्ष 2024 में यह संख्या करीब 3.99 लाख और वर्ष 2025 में 3.21 लाख रही। उन्होंने कहा कि बेहतर व्यवस्थाओं और बुनियादी सुविधाओं के कारण देश-विदेश से श्रद्धालुओं का विश्वास बढ़ा है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । विधानपरिषद में प्रश्नों का उत्तर देते हुए उप मुख्यमंत्री व नेता सदन विधान परिषद श्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट किया कि वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का संचालन मंदिर न्यास परिषद द्वारा किया जाता है और सुगम दर्शन शुल्क का निर्णय भी न्यास परिषद ही करता है, जबकि राम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए कोई शुल्क निर्धारित नहीं है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच काशी में सुगम दर्शन के लिए लगभग 10.7 लाख श्रद्धालुओं को दर्शन पर्ची जारी की गई।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मंदिरों में सामान्यतः सुगम दर्शन शुल्क लागू करने का निर्णय संबंधित मंदिर प्रबंधन या ट्रस्ट द्वारा लिया जाता है, सरकार केवल सुरक्षा और व्यवस्थाओं की निगरानी करती है। उन्होंने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में जहां लगभग 77 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ से अधिक हो गई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार तीर्थ स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों काशी, अयोध्या, और प्रयागराज सहित अन्य तीर्थ स्थलो में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या राज्य की बेहतर व्यवस्थाओं का प्रमाण है। सरकार का प्रयास है कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले, अधिकाधिक श्रद्धालु आएं और पर्यटन अर्थव्यवस्था भी सशक्त हो।

22 को जनपद न्यायालय परिसर में लगेगा वृहद विधिक सेवा मेगा शिविर

मेगा शिविर में समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य, श्रम, पुलिस, कृषि, शिक्षा, राजस्व, परिवहन, ऊर्जा, नगर विकास सहित 40 से अधिक विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं का प्रचार-प्रसार और मौके पर समाधान प्रदान किया जाएगा।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आमजन को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा 22 फरवरी 2026

को जनपद न्यायालय प्रांगण में वृहद विधिक साक्षरता/सेवा मेगा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। शिविर में महिलाओं, कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति-जनजाति, दिव्यांगजन सहित समाज के सभी वर्गों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी, पात्रता और लाभ दिलाने की प्रक्रिया से अवगत कराया जाएगा। साथ ही जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक परामर्श एवं सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बंधुआ मजदूरी, मानव तस्करी, बैंक ऋण योजनाएं, बीमा, किसान कल्याण, कौशल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी जानकारी भी दी जाएगी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पदाधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाएं और अपने अधिकारों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें। टोल फ्री नंबर 18004190234 पर भी संपर्क कर जानकारी ली जा सकती है।

शिकायत : प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को सौंपा था ज्ञापन, अब तक नहीं मिला ठोस परिणाम

तीन माह बाद भी पूरी नहीं हुईं पूर्व विधायकों की मांगें

पूर्व विधायकों का कहना है कि जब वे जनहित के कार्यों के सिलसिले में सर्किट हाउस या सरकारी गेस्ट हाउसों में जाते हैं तो उन्हें न तो अपेक्षित सम्मान मिलता है और न ही कक्ष उपलब्ध कराए जाते हैं। उन्होंने इस व्यवस्था में सुधार की मांग दोहराई है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा एवं विधान परिषद के पूर्व सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने तीन माह पहले मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विभिन्न मांगों को लेकर एक सूत्रीय ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में पूर्व जनप्रतिनिधियों से जुड़े प्रशासनिक और सुविधाओं के मामलों पर उचित संज्ञान न लिए जाने का मुद्दा उठाया गया था। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि भले ही पूर्व विधायक और पूर्व विधान परिषद सदस्य वर्तमान में सदन का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहते हुए जनहित के कार्यों में जुटे रहते हैं। ऐसे में उन्हें आवश्यक सुविधाएं और सम्मान मिलना चाहिए। ज्ञापन के अनुसार, वर्तमान विधायकों को शासन द्वारा दो सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराए जाते हैं। पूर्व विधायकों को भी निशुल्क सुरक्षाकर्मी देने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं हो सका है।

पूर्व विधायक प्रकोष्ठ गठन की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने वर्तमान विधायक प्रकोष्ठ की तर्ज पर पूर्व विधायक प्रकोष्ठ गठित करने की मांग की थी, ताकि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। इसके अलावा राज्य अतिथि गृहों में प्राथमिकता के आधार पर कक्ष आवंटन, निशुल्क सुरक्षा गनर उपलब्ध कराने, पेंशन राशि में वृद्धि, यात्रा कूपन और डीजल भत्ते में बढ़ोतरी जैसी मांगें भी रखी गई थीं। प्रतिनिधियों का दावा है कि इन मांगों में से कुछ पर मुख्यमंत्री ने सहमति जताते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्रों पर जवाब की मांग

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आजादी के बाद से यह परंपरा रही है कि मुख्यमंत्री को संबोधित पत्रों का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जवाब दिया जाता था। पूर्व विधायकों का कहना है कि अब यह परंपरा समाप्त होती दिख रही है और उनके पत्रों का जवाब नहीं मिल रहा। उन्होंने शासन स्तर से पत्रों के जवाब की स्पष्ट व्यवस्था करने की मांग की है।

खुदाई कर, रास्ता बंद किए जाने से परेशान व्यापारी महापौर से मिले

पत्रकारपुरम मार्केट के व्यापारियों ने महापौर सुषमा खरकवाल से शिकायत की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पत्रकारपुरम मार्केट, गोमती नगर चौराहे पर तथा पत्रकारपुरम में ही अन्य स्थानों पर नगर निगम विभाग द्वारा सड़क को खोद कर तथा रास्ता बंद किए जाने से परेशान व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में लालबाग स्थित नगर निगम कार्यालय में महापौर सुषमा खड़कवाल से मिला।

पत्रकारपुरम के व्यापारियों ने महापौर को शिकायत करते हुए बताया होली के त्यौहार के ठीक पहले नगर निगम विभाग द्वारा पत्रकारपुरम में पुलिस चौकी के ठीक बगल की सड़क खोद कर रास्ता बंद कर दिया तथा पत्रकार-

पुरम में ही अन्य कई स्थानों पर भी नगर निगम द्वारा सड़क खोद दी गई है जिसके कारण वाहनों को आने-जाने में भारी सुविधा हो रहीं है तथा ग्राहकों एवं आगंतुकों को बाजार में आना बिल्कुल बंद सा हो गया है व्यापारियों ने महापौर से कहा होली के त्यौहार के ठीक पहले ऐसा करने से व्यापारियों एवं नागरिकों को भारी असुविधा हो रही है।

महापौर ने व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्यौहार के पहले व्यापारियों को कोई असुविधा नहीं हो इसके समुचित निर्देश दिए तथा होली के बाद काम करने हेतु कहा प्रतिनिधि मंडल ने महापौर का धन्यवाद ज्ञापित कर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया

प्रतिनिधि मंडल में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के साथ पत्रकारपुरम आदर्श व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री सरदार राजेंद्र सिंह ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, संगठन मंत्री योगेश महेश्वरी एवं प्रचार मंत्री सलिल गुप्ता शामिल थे।

लखनऊ में जनता खुद बनवा रही सड़क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी में सरकारी विभागों, जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदारों से लगातार निराशा मिलने के बाद जनता ने खुद सड़क बनवानी शुरू कर दी। मामला लखनऊ नगर निगम के इस्माइलगंज द्वितीय वार्ड का है। यहां की कल्याणी विहार कॉलोनी के लोगों ने अधिकारियों की कामचोरी से हारकर खुद ही चंदा इकट्ठा किया और सड़क बनवाने लगे। यहां नाला भी नहीं बना था जिस पर भी काम शुरू करा दिया है।

कॉलोनी के स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशांत पब्लिक स्कूल की बगल में नाला टूटा हुआ था। इसके साथ ही सड़क भी खराब थी। स्थानीय निवासी एसपी मिश्रा ने बताया कि 8 साल में कई बार नगर निगम और प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात की थी। समस्या की शिकायत भी थी, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। ऐसे अधिकारियों से हारकर हम लोगों ने खुद ही इसे बनवाया था। अब फिर से काम करवा रहे हैं। लोगों का कहना है कि 10 मीटर करीब नाला टूटा गया था।

पुलिस लाइन सभागार में अधिकारियों की मौजूदगी में हुई समीक्षा बैठक

अपराध गोष्ठी आयोजित

आयोजन

महिला अपराध व त्योहार सुरक्षा पर सख्त निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। बुधवार को पुलिस लाइन सभागार कक्ष में पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी/पूर्वी), समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष तथा पुलिस कार्यालय सहित विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान जनपद में कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। लंबित विवेचनाओं, संगीन अपराधों, महिला संबंधी मामलों तथा जनशिकायतों की प्रगति पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए

गए। गोष्ठी में गौकशी से संबंधित मामलों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। ऐसे मामलों में त्वरित गिरफ्तारी, प्रभावी विवेचना और विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। चोरी और लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने तथा संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी करने का निर्देश दिया गया। हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष चेकिंग अभियान चलाने तथा अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने को कहा गया। बैठक में बीट पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। प्रत्येक बीट अधिकारी को अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण, जनसंपर्क और सूचनातंत्र मजबूत करने के निर्देश दिए गए। भ्रष्टाचार मुक्त

महिला अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

पुलिस अधीक्षक ने महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने को कहा गया। शातिर एवं अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई तेज करने पर भी जोर दिया गया। आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की गुणवत्ता पूर्ण जांच सुनिश्चित करने तथा आवेदकों से स्वयं वार्ता कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए। थानों पर नियमित रात्रि गश्त बढ़ाने और गश्ती व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया।

त्योहारों के मद्देनजर चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

आगामी त्योहारों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने, पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा संभावित विवादों पर पूर्व निगरानी रखने को कहा गया। त्योहार रजिस्टर का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निर्देश दिए गए कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद या अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क रहे। सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी तथा स्थानीय स्तर पर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

समय से नहीं पहुंचे शिक्षक, कई स्कूलों में इंतजार करते दिखे बच्चे

'स्कूल चलो अभियान' के बीच व्यवस्था पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के अम्बेडकरनगर के अकबरपुर शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत कई परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की समय पर अनुपस्थिति का मामला सामने आया है। शासन के निर्देशानुसार शिक्षकों को प्रातः 8:45 बजे तक विद्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य है, जबकि 9 बजे से कक्षाएं संचालित की जानी हैं। हालांकि, जमीनी पड़ताल में निर्धारित समय के बाद भी शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचे।

निरीक्षण के दौरान कादीपुर मठिया, प्राथमिक विद्यालय चंदनपारा तथा कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय सोनहरा में बच्चे स्कूल परिसर के बाहर शिक्षकों का इंतजार करते दिखाई दिए। निर्धारित समय बीतने के बाद भी अध्यापक

उपस्थित नहीं हुए, जिससे पठन-पाठन कार्य प्रभावित रहा। स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार कुछ विद्यालयों में समय पर ताला तक नहीं खुला। बच्चे स्कूल परिसर में एकत्र रहे, जबकि कक्षाएं शुरू नहीं हो सकीं। अभिभावकों ने बताया कि ऐसी स्थिति समय-समय पर देखने को मिलती है। शासन द्वारा उपस्थिति को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी हैं, इसके बावजूद लापरवाही की तस्वीर सामने आई। शिक्षा विभाग की ओर से नियमित निरीक्षण और उपस्थिति मॉनिटरिंग की व्यवस्था होने का दावा किया जाता है। "स्कूल चलो अभियान" के तहत नामांकन और उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन शिक्षकों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित न होना अभियान की प्रभावशीलता पर प्रश्न खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि औचक निरीक्षण की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए और देरी से पहुंचने वाले शिक्षकों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। विभागीय सूत्रों के अनुसार मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों तक पहुंचाई गई है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया। औपचारिक बयान की प्रतीक्षा है। यदि निर्धारित समय के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो विभागीय स्तर पर कार्रवाई संभव मानी जा रही है।

फास्ट न्यूज

महिला अस्पताल में सरकारी गाड़ियों के दुरुपयोग के आरोप

अम्बेडकरनगर। जिले के जलालपुर महिला अस्पताल में संचालित 102 और 108 एम्बुलेंस सेवाओं के उपयोग को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय स्तर पर यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोप है कि आपात-कालीन सेवाओं के लिए निर्धारित एम्बुलेंस का इस्तेमाल आशा कार्यकर्ताओं को उनके गांवों से अस्पताल लाने और वापस छोड़ने के लिए किया जा रहा है।

शिवाजी जयंती पर उमड़ा उत्साह

अम्बेडकरनगर। जिले में गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जलालपुर स्थित शिवाजी तिराहा पर स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश यादव ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक रहे, जिन्होंने साहस, पराक्रम और कुशल नेतृत्व के बल पर स्वराज की मजबूत नींव रखी।

समय से नहीं पहुंचे शिक्षक

अम्बेडकरनगर। जिले के अम्बेडकरनगर के अकबरपुर शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत कई परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की समय पर अनुपस्थिति का मामला सामने आया है। शासन के निर्देशानुसार शिक्षकों को प्रातः 8:45 बजे तक विद्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य है, जबकि 9 बजे से कक्षाएं संचालित की जानी हैं। हालांकि, जमीनी पड़ताल में निर्धारित समय के बाद भी शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचे।

कांग्रेस का आरोप : लाठीचार्ज से दबाई जा रही विपक्ष की आवाज

मनरेगा बहाली को लेकर प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मनरेगा बहाली और श्रमिकों से जुड़े मुद्दों को लेकर 17 फरवरी को हुए कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद जिले की सियासत गरमा गई है। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गुलाम रसूल "छोटू" ने आरोप लगाया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कराकर उत्तर प्रदेश सरकार ने दमनात्मक रवैया अपनाया है। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, पार्टी कार्यकर्ता मनरेगा को प्रभावी रूप से बहाल करने और श्रमिकों के लंबित मुद्दों को उठाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से विधानसभा घेराव कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने बल प्रयोग किया। गुलाम रसूल ने कहा कि सरकार विपक्ष और जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उनका कहना है कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना संवैधानिक अधिकार है।

जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राम कुमार पाल, अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष डॉ आरपी कौशल, जिला उपाध्यक्ष उदयभान मिश्र "राजबहादुर", महासचिव ज्ञानेंद्र पाठक "नन्हे" और दीपक मिश्र सहित अन्य नेताओं ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर घटना की निंदा की। ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर राजीव गुप्ता, अशोक सत्यार्थी, विकलांग प्रकोष्ठ के मंडल अध्यक्ष राजेश वर्मा, जिला सोशल मीडिया अध्यक्ष अनुराग तिवारी, देवमणि पाठक और जैसराज गौतम ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है। उनके अनुसार, प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग सरकार के रुख को दर्शाता है।

कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेख संधारण और पारदर्शिता पर विशेष जोर

मंडलायुक्त अयोध्या मंडल ने किया सघन निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन के दिशा-निर्देशों के तहत मंडलायुक्त अयोध्या मंडल, राजेश कुमार ने अपर आयुक्त अयोध्या मंडल अजयकांत सैनी के साथ अंबेडकर-नगर के कलेक्ट्रेट, तहसील अकब-रपुर और विकासखंड अकबरपुर का विस्तृत और सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यालयीन कार्य निष्पादन की गुणवत्ता, अभिलेखों का संधारण, पत्रावलियों का समय पर प्रेषण और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना था।

कलेक्ट्रेट निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अभिलेखागार, संग्रह अनुभाग, नजारत अनुभाग, खनन अनुभाग, संयुक्त कार्यालय, आंग्ल

अभिलेखागार और न्यायिक अभिलेखागार का विस्तृत निरीक्षण किया। पटल प्रभारियों से उनके द्वारा संपादित कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई। आयुक्त ने हैसियत प्रमाणपत्र, आर्थिक सहायता प्रकरण, कार्मिकों और अधिकारियों की सेवा पुस्तिकाओं (सर्विस बुक) की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की। साथ ही न्यायालयों के अभिलेख और कार्यवाही की प्रगति की जांच की गई। निरीक्षण में पाया गया कि अभिलेखों का रख-रखाव और अन्य कार्यालयीन व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

तहसील अकबरपुर में उपजिलाधिकारी द्वारा पत्रों को ई-फाइलिंग के माध्यम से संग्रहित करने और प्रपत्रों को सुरक्षित रखने के नवाचार की विशेष सराहना की गई। आयुक्त ने निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट को प्रेषित होने वाली पत्रावलियों की समयबद्ध स्थानांतरण प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किया जाए।इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पत्रावलियों और अभिलेखों के रख-रखाव में नियमित निरीक्षण और अद्यतन सुनिश्चित करना अनिवार्य है, जिससे कार्यालयीन पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि हो।

विकासखंड अकबरपुर का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने कार्यालय परिसर की स्वच्छता, सुव्यवस्था और आईएसओ प्रमाणन की उपलब्धियों की समीक्षा की। मुख्य विकास अधिकारी और खंड विकास अधिकारी की प्रशंसा की गई।

आयुक्त ने निर्देश दिए कि मनरेगा से संबंधित पत्रावलियों का नियमित और सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही स्टॉक रजिस्टर का नियमित सत्यापन और समयबद्ध अद्यतन जरूरी है। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत होगी और भविष्य में किसी भी अनियमितता की संभावना कम होगी।

आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यालयीन प्रक्रियाओं में नियमित निरीक्षण करें, पत्रावलियों और अभिलेखों का अद्यतन बनाए रखें और ई-फाइलिंग का सही प्रयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समयबद्ध कार्य निष्पादन और सुव्यवस्थित प्रशासनिक प्रबंधन से नागरिकों को बेहतर सेवा मिलेगी।

कलेक्ट्रेट में होगा आवंटन

अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कैंटीन तथा साइकिल/मोटर साइकिल स्टैंड के संचालन के लिए आगामी एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि हेतु नीलामी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। यह नीलामी 26 फरवरी को सायं 4 बजे नीलामी अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी के कार्यालय कक्ष में संपन्न होगी।

जिला प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इच्छुक बोलीदाताओं को कैंटीन तथा साइकिल/मोटर साइकिल स्टैंड के लिए अलग-अलग बोली लगानी होगी। प्रत्येक मद के लिए दस-दस हजार रुपये की जमानत धनराशि अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी। बिना जमानत राशि के किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। नीलामी निर्धारित तिथि व समय पर नियम और शर्तों के तहत खुली बोली के माध्यम से की जाएगी। आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी।

फरीदपुर कुतुब पर वित्तीय अनियमितता, सिकरोहर प्रधान को पदच्युत

दो ग्राम प्रधानों के खिलाफ डीएम ने की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत स्तर पर अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए दो प्रधानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। डीएम अनुपम शुक्ला ने ग्राम पंचायत फरीदपुर कुतुब, विकास खण्ड टाण्डा और ग्राम पंचायत सिकरोहर, विकास खण्ड अकबरपुर के प्रधानों के खिलाफ वित्तीय और प्रशासनिक नियमों के उल्लंघन के मामले में आदेश जारी किए।

फरीदपुर कुतुब के ग्राम प्रधान मो. अनीस के खिलाफ शिकायत/शपथ पत्र के माध्यम से जांच की गई। जांच में पाया गया कि ग्राम पंचायत में किए गए विभिन्न विकास कार्यों में अपने भाई की फर्म को सामाग्री की आपूर्ति कराई गई, जो शासनादेश और

पंचायतराज अधिनियम की धारा 95(1)(छ) के प्रावधानों के विपरीत था। इस पर डीएम ने मो. अनीस के प्रशासनिक और वित्तीय अधिकारों पर तत्काल रोक लगा दी। आदेश में स्पष्ट किया गया कि ग्राम प्रधान अब ग्राम पंचायत में वित्तीय निर्णय और विकास कार्यों से संबंधित प्रशासनिक शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते। सिकरोहर ग्राम पंचायत के प्रधान रेखा देवी के खिलाफ मनरेगा अंतर्गत कराए गए विकास कार्यों की प्रारंभिक जांच के बाद अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) से अंतिम जांच कराई गई। जांच में पाया गया कि रेखा देवी ने

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी पंचायत स्तर पर वित्तीय और प्रशासनिक नियमों के उल्लंघन के मामलों की निगरानी की जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रशासनिक दृष्टिकोण

डीएम ने स्पष्ट किया कि पंचायत स्तर पर वित्तीय अनियमितताओं और पदीय दायित्वों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों को निर्देश दिया कि विकास कार्यों में शासनादेश और वित्तीय नियमों का पालन करना अनिवार्य है। प्रशासन ने बताया कि फरीदपुर कुतुब और सिकरोहर में की गई कार्रवाई स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखने के लिए उदाहरण है। इससे अन्य प्रधानों और अधिकारियों में नियमों का पालन सुनिश्चित करने की चेतना बढ़ेगी।

शासकीय धनराशि का दुरुपयोग करने का प्रयास किया और पदीय दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन नहीं किया।

इस पर डीएम ने सुनवाई के बाद रेखा देवी को पदच्युत कर दिया। यह कार्रवाई शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई।

स्थानिक लोगों और पंचायत कर्मियों में कार्रवाई को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने कार्रवाई को उचित बताया तो वहीं कुछ ने इस फैसले पर आश्चर्य व्यक्त किया।

सेंट पीटर्स स्कूल में छात्र पिटाई विवाद, प्रबंध तंत्र ने लगाया खंडन

वायरल फोटो और सोशल मीडिया दावों पर स्कूल ने दी सफाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सेंट पीटर्स स्कूल में कक्षा तीन के एक बीमार छात्र को कथित रूप से शिक्षक द्वारा पिटाई किए जाने की खबर ने सोशल मीडिया और स्थानीय समुदाय में हलचल पैदा कर दी। वायरल फोटो और खबरों के अनुसार छात्र के चेहरे पर चोट और सूजन आई थी।

सेंट पीटर्स स्कूल के प्रबंध तंत्र ने पूरे मामले को खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि वायरल फोटो 10 फरवरी का है, जब बच्चे की तबियत खराब होने के कारण अभिभावक ने उसे स्कूल ग्रुप में अवकाश के लिए अपलोड किया था। प्रबंध तंत्र ने स्पष्ट किया कि 18 फरवरी को छात्र स्कूल आया और उस दिन कोई पिटाई की घटना नहीं हुई।

प्रबंध समिति ने कहा कि घटना को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़

कर पेश किया गया और वायरल दावे वास्तविकता के अनुरूप नहीं हैं। स्कूल ने यह भी बताया कि बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और अनुशासन सर्वोपरि हैं और किसी भी प्रकार की अनुचित कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर वायरल खबर ने छात्रों के माता-पिता और स्थानीय समुदाय में चिंता पैदा की। कई अभिभावक ने प्रबंध तंत्र पर संदेह जताया, जबकि कुछ ने प्रबंध समिति के खंडन को सही मानते हुए मामले को अफवाह करार दिया।

विशेषज्ञों का कहना है कि स्कूल में छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अभिभावक ने की शिकायत, एफआईआर की चेतावनी

छात्र के पिता ने स्कूल प्राचार्य से शिकायत करते हुए कहा कि उनके बीमार बच्चे के साथ अनुचित व्यवहार किया गया। पिता ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पहले से ही शिक्षक को बच्चे की तबियत खराब होने की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि यदि कार्रवाई नहीं हुई, तो वह एफआईआर दर्ज कराएंगे। खबरों में यह भी उल्लेख था कि छात्र बीजेपी नेता के बेटे से जुड़ा है, जिससे मामले की संवेदनशीलता और बढ़ गई।

हंसवर पुलिस को सफलता, पाक्सो मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अपराध नियंत्रण और वांछित अभियुक्तों की तलाश के अभियान के तहत हंसवर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने गुरुवार सुबह बरही मोड़ स्थित आम के बाग के पास से आरोपी को दबोच लिया।

थानाध्यक्ष हंसवर अभिनेष कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस टीम को सफलता मिली। स्थानीय थाने में दर्ज पाक्सो एक्ट से संबंधित प्रकरण में वांछित चल रहे आरोपी अबूसाद पुत्र मो. अनीस, निवासी भूलेपुर (गुलजार नगर), थाना हंसवर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की उम्र लगभग 21 वर्ष बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की तलाश लंबे समय से की जा रही थी। संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ-साथ संदिग्ध स्थानों पर निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली, जिसके आधार पर टीम ने बरही मोड़ के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस टीम ने गुरुवार सुबह करीब 8:55 बजे बहद ग्राम बरही एदिलपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

बदलाव : 7500 किलोग्राम से कम भार वाले वाणिज्यिक वाहन अब 15 वर्ष तक टैक्स फ्री

परिवहन विभाग ने लागू की नई वन-टाइम रोड टैक्स प्रणाली

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के परिवहन विभाग ने 1 फरवरी से नई वन-टाइम रोड टैक्स प्रणाली लागू कर दी है। इसके तहत 7500 किलोग्राम से कम भार क्षमता वाले वाणिज्यिक वाहनों को केवल एक बार टैक्स चुकाने के बाद 15 वर्षों तक अतिरिक्त रोड टैक्स का भुगतान नहीं करना होगा। इस कदम का उद्देश्य वाहन मालिकों पर टैक्स बोझ कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सुगमता लाना बताया गया है।

10 लाख रुपये तक के मोटर/मैक्सी कैब पर 10.5 प्रतिशत, जबकि 10 लाख रुपये से अधिक के मोटर/मैक्सी कैब पर 12.5 प्रतिशत टैक्स लागू होगा। 3000 किलोग्राम

से अधिक सकल भार वाले यान पर 3 प्रतिशत, जबकि 3000 से 7500 किलोग्राम तक के वाहनों पर 6 प्रतिशत टैक्स निर्धारित है। नई वन-टाइम रोड टैक्स प्रणाली की जानकारी वाहन मालिकों तक पहुँचाने के लिए उपसंभागीय परिवहन कार्यालय अकबरपुर परिसर में 20 और 21 फरवरी को दो दिवसीय परिवहन मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में वाहन मालिकों को नई टैक्स प्रणाली, आवश्यक दस्तावेज और भुगतान प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी जाएगी।

सतेंद्र कुमार यादव ने बताया कि मेले का उद्देश्य वाहन मालिकों को टैक्स संबंधी किसी भी भ्रम से मुक्त करना और उन्हें डिजिटल माध्यम से भुगतान की सुविधा से अवगत कराना है। मेले में टैक्स भुगतान, ऑनलाइन आवेदन और शिकायत निवारण की सुविधा भी उपलब्ध होगी। नवीन प्रणाली के तहत वाहन मालिकों को बार-बार रोड टैक्स जमा करने की आवश्यकता समाप्त होगी। अधिकारियों का कहना है कि यह पारदर्शिता को बढ़ाएगा और वाहन मालिकों को समय और संसाधन बचाने में मदद करेगा। इसके अलावा, यह परिवहन विभाग की प्रक्रियाओं को भी सुव्यवस्थित बनाएगा।

जिले में वाहनों की स्थिति और बदलाव

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सतेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जिले में एक लाख से अधिक वाणिज्यिक वाहन हैं। पहले इन सभी वाहनों को त्रैमासिक या वार्षिक आधार पर रोड टैक्स का भुगतान करना पड़ता था। अब, 7500 किलोग्राम से कम भार क्षमता वाले वाहनों पर नई वन-टाइम प्रणाली लागू होगी, जबकि 7500 किलोग्राम से अधिक सकल भार वाले भारी वाणिज्यिक वाहनों पर पुरानी वार्षिक या त्रैमासिक टैक्स व्यवस्था जारी रहेगी।

अकबरपुर कोतवाली में तबादला आदेश के दो साल बाद भी इंस्पेक्टर पद पर बने

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली के इंस्पेक्टर श्रीनिवास पांडेय का तबादला आदेश जारी हुए लगभग दो साल हो चुके हैं, लेकिन अभी तक वे अपने पद पर बने हुए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार लंबे समय तक एक अधिकारी का एक पद पर बने रहना सामान्य प्रशासनिक परंपराओं के विपरीत माना जाता है। स्थानीय स्तर पर इस विषय को लेकर चर्चा चल रही है। कुछ लोग इसे प्रशासनिक प्रक्रिया में देरी के रूप में देखते हैं, जबकि कुछ इसे शक्ति और नेटवर्क के कारण प्रभार में बदलाव में विलंब मान रहे हैं। हालांकि विभाग ने किसी भी तरह के पक्षपात या विशेष संरक्षण की पुष्टि नहीं की है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अकबरपुर कोतवाली का प्रभार बदलने में देरी कई कारणों से हो सकती है। इसमें अन्य इंस्पेक्टरों की उपलब्धता, तैनाती की प्राथमिकताएं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़ी

प्रशासनिक देरी पर बढ़ी चर्चा, संतुलित जवाबदेही और प्रभार बदलाव की मांग

तकनीकी वजहें शामिल हैं। एएसपी हरेंद्र कुमार ने कहा कि यह एक प्रशासनिक मामला है और 'अंडर ट्रांसफर' स्थिति में किसी भी अधिकारी को तैनात किया जा सकता है। विभाग का कहना है कि प्रभार बदलाव केवल तबादला आदेश जारी करने से नहीं होता। इसके लिए संसाधन, उपयुक्त विकल्प और संबंधित अधिकारी की तैयारी जैसी कई प्रक्रियाओं को पूरा करना आवश्यक है। स्थानीय नागरिक और सामाजिक संगठन इस देरी को लेकर संतुलित चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

सम्पादकीय

असीमित संभावनाओं वाली मैत्री

मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की जागिंग केवल एक प्रमुख राष्ट्राध्यक्ष की कसरती कवायद न होकर भारत-फ्रांस संबंधों की गतिशीलता का भी प्रतीक रही। इन दो सदाबहार मित्र देशों के रिश्ते निरंतर प्रगाढ़ होते जा रहे हैं। द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' का नया दर्जा दिया जाना ही दर्शाता है कि पेरिस और नई दिल्ली के बीच तालमेल कितना व्यापक और बहुआयामी होता जा रहा है। दोनों देशों के रिश्ते समय की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण है विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देना। यहां तक कि शीत युद्ध के दौरान जब पश्चिमी देशों ने गुटनिरपेक्ष भारत के प्रति शंकालु रवैया रखते हुए उपेक्षा की नीति अपनाई थी, तब भी फ्रांस नाटो के अन्य सदस्यों के मुकाबले भारत के प्रति सहिष्णुता रखता था, क्योंकि फ्रांस अमेरिका के दबाव में रहकर निर्णय नहीं लेना चाहता था। भारत द्वारा 1998 में परमाणु परीक्षण के बाद फ्रांस इकलौती पश्चिमी शक्ति थी, जिसने नई दिल्ली पर आर्थिक प्रतिबंध नहीं लगाए थे। इतना ही नहीं, उसने परमाणु ऊर्जा सहयोग में भी कोई कमी भी नहीं आने दी थी। भारत को एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र, विश्वसनीय लोकतंत्र और बड़े आर्थिक अवसर के रूप में अगर किसी ने सबसे पहले मान्यता देना आरंभ किया तो यह फ्रांस ही था। फ्रांस में सतत रूप से यह सहमति रही है कि अगर यूरोपीय संघ को अमेरिका और चीन से अलग अपनी पहचान एवं साख बनानी है तो भारत का साथ अनिवार्य है। इन्हीं भावनाओं की ताजा अभिव्यक्ति मैक्रों के भारत दौरे पर दिखी। मैक्रों ने कहा कि दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत से लेकर प्रौद्योगिकी के स्तर तक 'किसी भी प्रकार के वर्चस्व के विरुद्ध हैं।' उन्होंने अपने संबंधों की तुलना 'संप्रभु गठबंधन' से भी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी संदर्भ में कहा कि दोनों देश 'बहुध्रुवीय विश्व' में विश्वास रखते हैं और उस ध्येय की प्राप्ति के लिए प्रयासरत भी हैं। इसका यही मर्म है कि फ्रांस और भारत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे, ताकि वे अमेरिका या चीन की राह पर ही चलने को विवश न हों। संभव है कि ये किसी तीसरे विकल्प का ही मार्ग प्रशस्त करें। तीसरे विकल्प की संभावनाएं अकारण भी नहीं हैं। हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यूरोप के प्रति अपमानजनक रवैया और चीन की आक्रामक व्यापार नीतियों ने यूरोप को आहत किया है। इससे भी फ्रांस के तीसरे विकल्प की आकांक्षा को बल मिला है। सामरिक मोर्चे पर भी भारत-फ्रांस रिश्ते उड़ान भर रहे हैं। इसे इससे आंका जा सकता है कि आज फ्रांस रूस के बाद भारत को हथियार आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। लड़ाकू विमानों, पनडुब्बियों और इंजनों की बिक्री और संयुक्त उत्पादन के लिए जिस गति से समझौते हो रहे हैं, उसे देखते हुए आने वाले वर्षों में अगर फ्रांस रूस को पीछे छोड़कर पहले पायदान पर पहुंच जाए तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। चीन की काट और एशिया में शक्ति संतुलन के लिए भारत के साथ फ्रांस द्वारा सह-निर्मित और सह-उत्पादित राफेल विमान, एच 125 हेलीकाप्टर, हैमर प्रक्षेपास्त्र, स्कार्पीन पनडुब्बियां और पांचवीं पीढ़ी के जेट इंजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह भी ध्यान रहे कि फ्रांस चीन या पाकिस्तान को कोई भी मारक हथियार नहीं बेचता है, जबकि रूस चीन को अत्याधुनिक अस्त्र-शस्त्र देता आ रहा है। फ्रांस-भारत द्विपक्षीय सैन्य सहयोग अस्त्रों तक भी सीमित नहीं है। उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए दोनों देशों ने 'संयुक्त उन्नत प्रौद्योगिकी विकास समूह' स्थापित किया है, ताकि विरोधियों पर सैन्य प्रतिस्पर्धी बढ़त बनाए रखी जा सके। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा कि हमारी आपसी साझेदारी 'गहरे महासागरों से लेकर सबसे ऊंचे पहाड़ों तक' असीमित रूप से आगे बढ़ सकती है, अतिशयोक्ति नहीं है। नवाचार एक और क्षेत्र है, जिसमें फ्रांस और भारत कई महत्वाकांक्षी पहल कर रहे हैं। इस क्रम में 'भारत-फ्रांस नवाचार संघ' दोनों देशों के विज्ञानियों, शोधकर्ताओं, व्यापारियों और उद्यमियों के लिए अपार संभावनाओं के द्वार खोलेगा। एआइ, अंतरिक्ष और विमानन जैसे क्षेत्रों में फ्रांस और भारत की सक्रियता बढ़ रही है। एआइ के महाकुंभ कहे जाने वाले शिखर सम्मेलनों की शुरुआत भी फ्रांस और भारत ने ही की थी। दोनों पक्ष 'एआइ के लोकतंत्रीकरण' और 'वैश्विक एआइ की खाई को पाटने' जैसे सिद्धांतों को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत जैसे विकासशील देश को अगर वैश्विक स्तर पर 2047 तक शीर्ष तीन एआइ महाशक्तियों में शामिल होने के मोदी के संकल्प को साकार करना है।

विदेशी नागरिकता, विदेशी जुड़ाव और लोकतांत्रिक जवाबदेही

> 66 यह बहस व्यक्तियों को कटघरे में खड़ा करने के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित, संस्थागत ईमानदारी और लोकतांत्रिक जवाबदेही के मानकों को स्पष्ट करने के लिए आवश्यक है।

हाल के दिनों में आसाम से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिज़ाबेथ कोलबर्न की विदेशी नागरिकता और उनके पेशेवर संबंधों को लेकर चर्चा हुई है। इसी के साथ यह सवाल भी उठा है कि उनके दोनों बच्चों की नागरिकता को लेकर कोई स्पष्ट और सार्वजनिक जानकारी अब तक क्यों सामने नहीं आई है। यह बहस किसी व्यक्ति के निजी जीवन में झाँकने के लिए नहीं बल्कि सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों से जुड़ी पारदर्शिता और राष्ट्रीय हित जैसे बड़े सवालों से जुड़ी है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा केवल क़ानूनी अनुपालन तक सीमित नहीं होती। उनसे यह भी अपेक्षित होता है कि वे सार्वजनिक विश्वास के उच्चतम मानकों पर खरे उतरें, विशेषकर तब, जब बात नागरिकता, विदेशी पेशेवर संबंधों, दोहरी निष्ठाओं या संभावित हित-संघर्ष की हो—इन विषयों पर अस्पष्टता स्वयं में संदेह को जन्म देती है। इसलिए ऐसी जानकारियों का स्पष्ट, सत्यापित और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक अनिवार्य तत्व माना जाता है। यह प्रश्न भारत में नया नहीं है। पिछले दो दशकों में अनेक वरिष्ठ राजनेताओं, संवैधानिक पदाधिकारियों और शीर्ष नौकरशाहों के पारिवारिक सदस्यों—विशेषकर बच्चों—का विदेश में अध्ययन, निवास या पेशेवर करियर सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट होता रहा है। उदाहरणस्वरूप, पूर्व रिज़र्व बैंक गवर्नर रघुराम राजन ने स्वयं स्वीकार किया कि उनका पेशेवर और पारिवारिक जीवन लंबे समय तक अमेरिका में केंद्रित रहा। इसी प्रकार विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पुत्र ध्रुव जयशंकर ने जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी से शिक्षा

प्राप्त की और अमेरिका में कार्य व निवास से जुड़े रहे हैं. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के पुत्र विवेक डोभाल के ब्रिटिश नागरिक होने और इंग्लैंड में रहने की रिपोर्ट्स सामने आई हैं. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के पुत्र ध्रुव गोयल ने हार्वर्ड से पढ़ाई कर न्यूयॉर्क में एक वेंचर फंड स्थापित किया. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की पुत्री वांग्मयी परकाला ने अमेरिका की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की. पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पुत्री तिलोत्तमा ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ वारविक से पढ़ाई की और अमेरिका में बसने की जानकारी सार्वजनिक डोमेन में रही है। इसी तरह, राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी का अपने बच्चों को विदेश में बसने की सलाह वाला बयान सार्वजनिक विवाद का विषय बना. भाजपा नेता संजय धोत्रे के पुत्र नकुल धोत्रे ने कैलिफ़ोर्निया से इंजीनियरिंग कर वहीं बसने का रास्ता चुना. राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के पौत्र और रोहिणी आचार्य के पुत्र आदित्य ने सिंगापुर की अनिवार्य नेशनल सर्विस के तहत बेसिक मिलिटरी ट्रेनिंग शुरू की. प्रियंका गांधी वाड्रा के दोनों बच्चों—रायहान और मिराया—ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा ग्रहण की. कांग्रेस सांसद शशि थरूर के जुड़वाँ पुत्र ईशान और कनिष्क थरूर का पालन-पोषण और करियर विदेशों में रहा है तथा सलमान खुर्शीद के बच्चों की शिक्षा और पेशेवर गतिविधियाँ भी यूके और अमेरिका से जुड़ी रही हैं। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि वैश्विक शिक्षा और करियर आज भारतीय सार्वजनिक जीवन की एक स्थापित वास्तविकता बन चुके हैं। प्रशासनिक तंत्र में भी ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ कैबिनेट सचिव स्तर के अधिकारियों, संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े नौकरशाहों और नीति-निर्माताओं के बच्चे पश्चिमी देशों में बस चुके हैं, अक्सर उच्च शिक्षा या निजी कॉर्पोरेट करियर के कारण। यह अपने आप में न तो अपराध है और न ही किसी व्यक्ति की देशभक्ति पर सीधा प्रश्न लेकिन नीतिगत स्तर पर मूल प्रश्न कुछ और है— क्या संवेदनशील सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए पारिवारिक विदेशी जुड़ाव, नागरिकता स्थिति और वैश्विक हितों की पारदर्शी घोषणा का कोई स्पष्ट और समान मानक होना चाहिए? यहीं से चीन की तथाकथित "नेकेड लीडरशिप पॉलिसी" की चर्चा प्रासंगिक हो जाती है। यह नीति उन अधिकारियों पर लागू होती है जिनके पति/पत्नी या बच्चे विदेश में रहते हैं, विदेशी नागरिकता रखते हैं या स्थायी निवास के धारक हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का तर्क रहा है कि ऐसे अधिकारी विदेशी प्रभाव, ब्लैकमेल, हितों के टकराव और राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। इसी सोच के तहत 2010 के बाद चीन ने ऐसे अधिकारियों को संवेदनशील पदों से हटाने, पदोन्नति रोकने, अतिरिक्त निगरानी लागू करने और कई मामलों में अनिवार्य स्थानांतरण जैसे कदम उठाए। भ्रष्टाचार-विरोधी अभियानों में इस नीति का उपयोग एक संदेश के रूप में किया गया—कि राज्य सत्ता और निजी जीवन के वैश्विक हितों का टकराव स्वीकार्य नहीं है। निस्संदेह, चीन का मॉडल लोकतांत्रिक नहीं है और भारत जैसे संवैधानिक लोकतंत्र में उसकी नकल संभव भी नहीं। लेकिन इसका मूल सिद्धांत—नेतृत्व में पारदर्शिता, संस्थागत निष्ठा और बाहरी प्रभाव से दूरी—आज वैश्विक विमर्श का हिस्सा बन चुका है। अतः प्रश्न यह नहीं है कि भारत को चीन जैसी नीति अपनानी चाहिए या नहीं।

गजेंद्र सिंह

इस कदम से चीन...

डा रमेश ठाकुर

बांग्लादेश कैबिनेट में हिंदू मंत्रियों के होने के निहितार्थ

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिड़े भी हैं। वो नहीं चाहते कि बांग्लादेश भारत या उनसे वास्ता रखने लोगों को तवज्जो दे लेकिन, तारिक रहमान ने उनके नापाक मंसूबों को धता बताते हुए, बड़ी सूझ बूझ से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई निर्मम बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू थू करवाई बल्कि दशको से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया था। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है। गौरतलब है कि तारिक रहमान के आगाज से पूर्व बांग्ला-हिंदुओं पर किस तरह के अत्याचार हुए हैं और हो भी रहे हैं? ऐसी निदंनीय घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है हालांकि, रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध बिच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई? दूसरे देश कौन से हैं जिनके नाम लेने की शायद जरूरत नहीं? सभी जानते हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक समानांतर सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, ढ़लती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश करी। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया। दरअसल, इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है लेकिन बांग्लादेश में दिखी। रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल- मिठाइयां ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान की शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है।

सवर्ण वर्चस्व...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

वर्ग संघर्ष समकालीन परिदृश्य

वर्ग संघर्ष मानव इतिहास की मूल शक्तियों में से एक है जिसने समाजों की संरचना बदली और विश्वव्यापी क्रांतियों का सूत्रपात किया। यूरोप में सामंतवाद से पूंजीवाद का संक्रमण, इंग्लैंड की औद्योगिक क्रांति के बाद मजदूर आंदोलन, 1789 की फ्रांसीसी क्रांति, 1917 की रूसी क्रांति तथा चीन, क्यूबा और लैटिन अमेरिकी आंदोलनों में उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण व श्रमशक्ति के शोषण के विरुद्ध संघर्षों ने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचनाओं को उलट दिया। वर्ग विरोध की इसी वैश्विक पृष्ठभूमि में भारत का वर्ग संघर्ष केवल पूँजी और श्रम तक सीमित नहीं, बल्कि वर्ण व्यवस्था, जातीय वर्चस्व, भूमि संबंधों और राजनीति तथा सत्ता की जटिल गाँठों से जुड़ा है। भारत में वर्ग संघर्ष वर्ण जाति, औपनिवेशिक शोषण, औद्योगिक पूँजीवाद और वैश्विक पूँजी की बहुस्तरीय प्रक्रिया है जो आज भी सक्रिय है। प्राचीन मध्यकालीन समाज में वर्ण व्यवस्था ने श्रम विभाजन व आर्थिक पदानुक्रम को वैध बनाया। कृषि अर्थ व्यवस्था में जमींदार, सामंत व उच्च वर्णीय किसान वर्ग का प्रभुत्व रहा, जबकि भूमि हीन श्रमिक, निम्न जातियाँ व वंचित समुदायों का कोई अधिकार न था। विद्रोहों की अंतर्धारा में वर्गीय असमानता व संसाधन कब्जे का आक्रोश झलकता था। ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने जमींदारी व राजस्व व्यवस्था तोड़ी, रैयतों, किसानों व जमींदारों में तनाव पैदा किया तथा उद्योग, रेलवे व खदानों से मजदूर वर्ग का निर्माण हुआ। कर संग्रह, कच्चा माल व सस्ता श्रम शोषण से किसान व आदिवासी विद्रोह भड़के। 19वीं सदी के अंत में संगठित मजदूर वर्ग ने कारखाना मालिकों व औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध संघर्ष किया। प्रथम विश्व युद्ध, रूसी क्रांति व आर्थिक संकट ने वर्ग चेतना जगाई, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस बनी। स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रीय नेतृत्व की राजनीतिक मुक्ति प्राथमिकता के साथ मजदूर किसान संगठनों ने भूमि सुधार, जमींदारी उन्मूलन व समानता माँगी। आदिवासी, किसान व मजदूर हड़तालों ने वर्गीय असंतोष दिखाया। स्वतंत्रता के बाद संविधान ने समाजवादी पथ अपनाया, पर भूमि स्वामियों, उच्च जातीय व पूँजीपति वर्ग का वर्चस्व कायम रहा। आधे अधूरे भूमि सुधार व नक्सल आंदोलन ने असमान भूमि वितरण व जातीय उत्पीड़न उजागर किया। शहरों में मजदूर अधिकार मिले, पर सत्ता अक्सर पूँजी के पक्ष में रहा। भारत में वर्ग संघर्ष वर्ण जाति से घुला हुआ है। डॉ आंबेडकर व मार्क्स के संवाद में कहा गया कि वर्ण संघर्ष के बिना वर्ग संघर्ष अधूरा है। सवर्ण वर्चस्व ने दलित, पिछड़े, आदिवासी व अल्प संख्यकों की अधीनता बनाए रखी।

जरा हटके

इन दस चुनावी...

कमलेश पांडेय

राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 के वर्षपर्यंत सियासी मायने

चिरंजीवी सदन 'राज्यसभा' के द्विवार्षिक चुनाव के लिए वर्ष 2026 में विभिन्न चरणों में खाली होने वाली कुल 71-75 सीटें के लिए चुनाव होंगे जो पूरे वर्ष अप्रैल और नवंबर में भरी जाएंगी। लिहाजा, इन चुनावों के राजनीतिक मायने गहन व अहम हैं, क्योंकि ये चुनाव जहां एनडीए की बहुमत मजबूती बढ़ा सकते हैं, वहीं विपक्ष को भी कमजोर कर सकते हैं। इससे भाजपा व उसके साथियों का चुनावी हौसला बढ़ेगा। जहां तक इनकी प्रमुख तारीखों की बात है तो चुनाव आयोग ने पहले चरण में 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव घोषित किए हैं। जिसके लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी, नामांकन 5 मार्च तक, और मतदान-मतगणना 16 मार्च 2026 को। जबकि बाकी सीटें नवंबर में भरी जाएंगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं। इन दस चुनावी राज्यों में से 6 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जबकि 4 राज्यों में इंडी गठबंधन के घटक दल सरकार में हैं। जहां तक राज्यवार सीटों की बात है कि पहले चरण में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल की 5, बिहार की 5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा की 2 और छत्तीसगढ़ की 1 सीटें शामिल हैं, जबकि दूसरे चरण में उत्तरप्रदेश की 10 और झारखंड, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना आदि की 20 से अधिक सीटों के लिए नवम्बर में चुनाव होंगे। जहां तक उच्च सदन राज्यसभा में वर्तमान दलगत स्थिति की बात है तो राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जहां भाजपा के 103 और एनडीए के 121-129 सांसद हैं। जबकि विपक्षी इंडिया (INDIA) ब्लॉक के पास 78-80 सीटें हैं, जिसमें कांग्रेस के 27 सांसद हैं। जहां तक इन चुनावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो इन चुनावों में

एनडीए को 7-9 या इससे अधिक सीटों का लाभ मिलने का अनुमान है, जिससे उनकी संख्या 145 तक पहुंच सकती है जबकि विपक्ष को 5 सीटें खोने का खतरा, खासकर बिहार, महाराष्ट्र में है। इससे भाजपा को राज्यसभा में अब कोई भी विधेयक पास करना आसान होगा और सुपरमे-जॉरिटी की ओर बढ़त भी उसे मिलेगी। सवाल है कि इन चुनावों में एनडीए को कितनी सीटें मिलने की संभावना है तो राजनीतिक विश्लेषकों को अनुमान है कि एनडीए को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 48 या इससे अधिक सीटें मिलने की संभावना है, जिससे उनकी ताकत 129 से बढ़कर 140+ हो सकती है। पहले चरण के 37 सीटों पर 5-7 का लाभ अनुमानित है, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे बाद के चरणों से भी उसे अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 71-75 खाली सीटों में से एनडीए को नेट 7-9 या 48 सीटें हासिल हो सकती हैं। चूंकि वर्तमान में एनडीए के 121-129 सदस्य हैं, इसलिए चुनाव बाद 145 तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बाद के जून-नवम्बर वाले दूसरे चरणों के प्रभाव की बात है तो वे भी स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों में भाजपा को 7-8 मिलनी संभावित है, जबकि ओडिशा, तेलंगाना आदि में स्थिरतामिलेगी।, कुल मिलाकर सुपरमेजॉरिटी (123+) पक्की होगी। जबकि विपक्ष को 5 नुकसान होगा। जहां तक इन चुनावों में इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिलने की बात हैं तो इंडिया गठबंधन को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 71-75 सीटों में से नेट 5 का नुकसान हो सकता है, जिससे उनकी संख्या 80 से घटकर 75 रह जाएगी। पहले चरण के 37 सीटों पर भी नुकसान की स्थिति बनी हुई है, हालांकि कुछ राज्यों में स्थिरता संभव है। विश्लेषकों के अनुसार, इंडिया ब्लॉक वर्तमान 80 सीटों से 75 पर सिमट सकता है। कांग्रेस को विशेष रूप से 8 सीटें खोने का खतरा, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह की सीटें भी शामिल हैं। वहीं बाद के चरणों का प्रभाव भी उसपर पड़ेगा। क्योंकि उत्तर प्रदेश की 10 सीटें में से सपा को 2-3 मिलनी संभावित हैं, लेकिन कुल नुकसान होगा। जबकि कर्नाटक, झारखंड में 1-1 सीटों का नुकसान संभव है। ओवरऑल, एनडीए के लाभ से इंडिया कमजोर होगा। जहां तक राज्यवार स्थिति की बात है तो बिहार में राज्यसभा की 5 सीटों के लिए चुनाव होगा। अभी आरजेडी के 2, जेडीयू के 2 और एक सांसद राष्ट्रीय लोक मोर्चा का है। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं और एनडीए के खाते में 4 सीटें सुनिश्चित हैं, जबकि 5 के लिए जोर आजमाइश बढ़ेगी। क्योंकि यहां 35 सीटों के साथ I.N.D.I.A. एक भी सीट अपने बल पर जीतने की स्थिति में नहीं है, ऐसे में 5 विधायकों वाले AIMIM की भूमिका अहम हो जाती है। यदि पूरा विपक्ष एकजुट होता है तो बिहार में विपक्ष के पास कुल 41 विधायक हो जाते हैं और विपक्ष एक सीट निकाल सकते हैं। ऐसे में यह चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व और विपक्षी एकता की के लिए अग्निपरीक्षा होगा। वहीं महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व में सत्तारूढ़ महायुति आसानी से 6 सीटों पर जीत हासिल कर लेगा, वहीं 7वीं सीट के लिए वोटिंग हो सकती है। इसलिए महाराष्ट्र की राजनीतिक के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार का संसदीय सफर थम सकता है। जबकि हरियाणा से बीजेपी के दो सदस्य किरण चौधरी और रामचंद्र जांगरा का कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो रहा है। इसी प्रकार ओडिशा की 4 सीटों पर चुनाव होंगे, जहां अभी 2 सीट बीजेपी और 2 बीजेडी के पास है लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो बीजेपी की सीटों में इजाफा होना तय है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में दोनों सीटें अभी कांग्रेस के पास हैं और यहां भी बीजेपी जीत दर्ज करने की स्थिति में है।

कार नहर में गिरी, कारोबारी, पत्नी और बेटे की मौत

औरैया में रात भर गाड़ी पड़ी रही, सुबह टायर दिखा, शादी के फंक्शन से लौट रहे थे

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

औरैया। औरैया में बेकाबू कार 20 फीट गहरी नहर में गिर गई। हादसे में कारोबारी, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई। पूरा परिवार रिश्तेदार की बेटी की शादी के फंक्शन में शामिल होकर इटावा से औरैया आ रहा था। बुधवार देर रात रिनॉल्ट कार से घर लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। रातभर परिवार गाड़ी समेत नहर में पड़ा रहा। आसपास के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। गुरुवार सुबह 7 बजे राहगीरों ने नहर में कार का टायर देखा। शक होने पर आसपास के लोगों को बुलाया। फिर पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में पुलिस ट्रैक्टर और जेसीबी लेकर पहुंची।

ग्रामीणों ने नहर में उतरकर कार में रस्सी बांधी। इसके बाद ट्रैक्टर और जेसीबी की मदद से कार को खींचकर बाहर निकाला गया। कार के दरवाजे लॉक थे। शीशा तोड़ा गया, तो अंदर से तीन शव मिले। पुलिस को गाड़ी में एक फोन मिला। भीगने के चलते मोबाइल काम नहीं कर रहा था, इसलिए सिम निकालकर उसमें सेव नंबर पर कॉल की गई फोन शाहजहांपुर के कारोबारी को मिला। उन्होंने बताया कि यह नंबर किसका है। इसके आधार पर परिवार की शिनाख्त हुई। हादसा जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर अछल्दा थाना क्षेत्र में हुआ। राजीव कुमार की रिश्तेदारी में बुधवार को शादी से पहले की रस्में थीं। वह दिबियापुर में भगवतीगंज निवासी अशोक पोरवाल के यहां तेल के बुलावे में गए थे। अशोक की बेटी की 20 फरवरी को जालौन से शादी होनी है। वह पत्नी और बेटे के साथ वहां गए थे। देर रात रस्म में शामिल होने के बाद साढ़े दस बजे घर के लिए निकले थे। करीब 11.30 से 12 बजे रात के बीच तुरुकपुर गांव के पास कार अनियंत्रित होकर गंग नहर में जा गिरी। देर रात होने के चलते घटना की जानकारी पुलिस को नहीं हो सकी। कार के दरवाजे लॉक हो गए थे, इसलिए परिवार कार से बाहर नहीं निकल पाया। उन्हें चिल्लाने तक का मौका नहीं मिला। गुरुवार सुबह राहगीर नहर के पास से गुजर रहे थे, तभी उन्हें कार का एक टायर दिखाई दिया। पास जाकर देखा तो पूरी कार नजर आई।

जेसीबी-ट्रैक्टर से कार को नहर से खींचा

इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों को बुलाया। देखते-देखते 100 से ज्यादा लोग जुट गए। इसी दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जेसीबी और ट्रैक्टर बुलवाया। रस्सी मंगाकर रेस्क्यू शुरू किया गया।

> 66 घटना की जानकारी होने पर इटावा में व्यापारी राजीव पोरवाल के घर के बाहर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं हादसे के बाद औरैया के दिबियापुर में अशोक पोरवाल के घर पर सन्नाटा पसरा हुआ है। परिवार के लोग गेट में ताला लगाकर घटनास्थल के लिए निकल गए।

इसी डस्टर कार से परिवार लौट रहा था। जेसीबी कार को खींचते हुए थाने लेकर गई।

कार लॉक हुई, परिवार को चिल्लाने तक मौका नहीं मिला

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान कारोबारी राजीव कुमार पोरवाल (60), उनकी पत्नी मधु गुप्ता (55) और बेटे शुभम (27) के रूप में हुई है। परिवार इटावा के भरथना थाना क्षेत्र का रहने वाला था। राजीव दाल और डालडा का व्यापार करते थे। मृतक राजीव के दो बेटी, दो बेटे थे। एक बेटे और एक बेटी सोनाली की शादी हो चुकी है। दूसरी बेटी मोहिनी दिल्ली में MBBS कर रही है। बड़ा बेटा सूर्य मोहन नोएडा में व्यापार करता है। राजीव कुमार 4 भाई थे। जिसमें प्रदीप कुमार, किशन कुमार और साजन कुमार इटावा में व्यापार करते हैं।

नोएडा में 12 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा। नोएडा के करीब 12 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी का एक मेल आया है। यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। इसमें दावा किया गया है कि स्कूल परिसर में विस्फोटक रखे गए हैं। सूचना मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को को जानकारी दी। पुलिस ने स्कूलों में पहुंचकर एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। जांच में कहीं कोई विस्फोटक नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कई स्कूलों में धमकी भरा मेल आया है। ई-मेल को जांचने के लिए साइबर टीम ई-मेल की जांच में जुटी है। इससे पहले भी 23 जनवरी को करीब 20 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए नोएडा पुलिस की भारी टीम मौके पर मौजूद है। पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमें हर स्कूल की सघन तलाशी ले रही हैं।

फास्ट न्यूज

चोटी खींचना महापाप : लक्ष्मीकांत बाजपेई

वाराणसी। काशी में भाजपा की महापाठशाला चल रही है। इसमें यूपी, उत्तराखंड और बिहार के 210 पदाधिकारियों को बुलाया गया है। संगठन के बड़े पदाधिकारी विधानसभा और लोकसभा चुनाव जीतने के गुर सिखा रहे हैं। कॉपी-पेन के साथ ही पदाधिकारियों को प्रवेश दिया गया। सभी के मोबाइल जमा करा लिए गए हैं। लेट पहुंचने पर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को एंट्री नहीं मिली।

अमेठी में बीएलओ टीचर ने सुसाइड किया

अमेठी। अमेठी में 46 साल के सरकारी टीचर ने सुसाइड कर लिया। उनका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। बेटे का आरोप है कि ब्लॉक कर्मी ने फोन कर काम को लेकर पिता पर दबाव बनाया था। आधार कार्ड की फीडिंग जल्द पूरी करने को कहा। इसी तनाव में पिता ने जान दे दी। टीचर राम प्रकाश वर्मा की यूपी बोर्ड परीक्षा में प्रतापगढ़ में ड्यूटी लगी थी। वह SIR का काम भी देख रहे थे। बुधवार को परीक्षा ड्यूटी के बाद देर शाम करीब 30 किलोमीटर दूर अपने गांव पहुंचे। घरवालों के साथ खाना खाने के बाद वे बाजार वाले घर सोने चले गए।

मुरादाबाद से लापता छात्र ने बरेली में किया सुसाइड

मुरादाबाद। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा कस्बे से 3 दिन पहले लापता हुए छात्र ने बरेली में ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। छात्र के सुसाइड की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। ठाकुरद्वारा के वार्ड नंबर 23 निवासी रियाज अहमद (22 साल) पुत्र मोहम्मद आरिफ बीए का छात्र था। वह तीन दिन पूर्व अचानक घर से लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की परंतु कोई पता नहीं चला।

बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक बन रही सड़क का डीएम ने किया निरीक्षण

308 लाख की लागत से मॉडल रोड तैयार करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। शहर में बस स्टैंड से जनेस्मा कॉलेज होते हुए रेलवे स्टेशन तक बन रही सड़क का जिलाधिकारी ने पैदल चलकर निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे निर्माणाधीन मार्ग का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। लगभग 1.5 किमी लंबाई वाले इस मार्ग का निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य अवस्थापना निधि से कराया जा रहा है, जिसकी कुल लागत लगभग 308.51 लाख है। इस परियोजना के तहत सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, दोनों ओर नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग, स्ट्रीट लाइट लगाना, हरित पट्टी/पौधरोपण तथा सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही सड़क को व्यवस्थित और चौड़ा बनाने के लिए आरओडब्ल्यू से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इस मार्ग को एक मॉडल सड़क के रूप में तैयार किया जाए, ताकि यह शहर के लिए उदाहरण बन सके। उन्होंने कहा कि सभी कार्य मानक की विशिष्टताओं के अनुरूप और व्यवस्थित तरीके से हों तथा निर्माण कार्य समय पर पूरा किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण के दौरान यातायात सुचारु रहे और आम लोगों को कम से कम असुविधा हो। यह भी कहा कि सड़क पूर्ण होने के उपरांत शहरवासियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुगम आवागमन के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सड़क उपलब्ध होगी, जिससे नगर के समग्र विकास को गति मिलेगी।

डिप्टी सीएम पाप धोने-पोंछने का काम कर रहे : अविमुक्तेश्वरानंद

उनके पास पावर ही नहीं, योगी असली हिंदू या फिर वेशधारी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सीएम योगी पर हमलावर हैं। उन्होंने गुरुवार को वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव मौर्य भाजपा को हो रही क्षति को बचाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन ये मठाधीश महाराज हठ पर उतारू हैं। कालनेमि कौन है? इसका स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। ये असली हिंदू हैं या फिर छल, वेशधारी और ढोंगी आचरण के हैं। अविमुक्तेश्वरानंद ने संत समाज को अल्टीमेटम दिया। कहा- 10 दिन में बताएं कि आप किसके साथ हैं। जो उनके पक्ष में होगा, उसके साथ भी सीएम जैसा व्यवहार किया जाएगा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के 101 बटुकों की पूजा करने पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- उन्होंने ऐसा कर अपनी भावना दिखाई है। उन्होंने यह बताया कि मेरे मुख्यमंत्री, आपने जो किया वह पाप था, जिसे मैं धोने-पोंछने का प्रयास कर रहा हूं। अगर यह सब राजनीति के तहत नहीं होता, तो जिस बटुक की चोटी खींची गई थी, उसे बुलाकर पूजन करते? डिप्टी सीएम पाठक के बयान (बटुकों को पीटने पर महापाप लगेगा) पर भी अविमुक्तेश्वरानंद ने जवाब दिया।

> अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, 'सीएम योगी ने सदन की आड़ लेकर अपने भीतर मरे विषय को प्रकट किया। ऐसा नहीं करना चाहिए था। जनता के बीच आकर अपनी बात रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा था कि हमारे समाज में कुछ कालनेमि घुस आए हैं, जिससे समाज को क्षति होने की संभावना है।

सीएम योगी ने सदन की आड़ में विषय को प्रकट किया

कालनेमि कौन है, इसका स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। इसलिए हम लोगों पर कालनेमि को पहचानने की जिम्मेदारी आ गई। हमने सोचा सबसे पहले इन्हीं से शुरुआत की जाए। ये असली हिंदू हैं या फिर छल, वेशधारी और ढोंगी आचरण के हैं।

मुरादाबाद में राजमार्ग में आड़े आ रही थी हजरत रहीम चिश्ती की दरगाह

हाईवे चौड़ीकरण में आड़े आई दरगाह पर चला बुलडोजर

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद-टिहरी राष्ट्रीय राजमार्ग में आड़े आ रही एक दरगाह को बुलडोजर से हटाए जाने की कार्रवाई शुरू की गई है। मामला मुरादाबाद जिले में भोजपुर थाना क्षेत्र का है। बुलडोजर की मदद से दरगाह की मीनारें गिरा दी गई हैं। निर्माणाधीन मुरादाबाद-टिहरी राष्ट्रीय राजमार्ग 734 के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए बुधवार को प्रशासन ने गांव सिरसवां दोराहा स्थित हजरत रहीम चिश्ती दरगाह की दो मिनारो को जेसीबी मशीन की मदद से हटवा दिया। यह हिस्सा राजमार्ग के निर्धारित दायरे में आ रहा था। बीच सड़क में आ जाने की वजह से दरगाह की वजह से हाईवे निर्माण का कार्य प्रभावित हो रहा था। अधिकारियों का कहना है कि संबंधित भूमि जिस पर दरगाह का निर्माण किया गया है उसे पूर्व में ही राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण की ओर से अधीग्रहीत किया जा चुका था। हालांकि, वैकल्पिक समाधान न निकलने पर प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्णय लिया। इसके पहले प्रशासन ने स्थानीय लोगों को विश्वास में लिया और इसके बाद कार्रवाई शुरू की गई। बुधवार को की गई कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार का विरोध देखने को नहीं मिला। पुलिस-प्रशासनिक दूर दर्शिता और संबंधित स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए जाने की वजह से पूरी कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से अंजाम दिया गया है।

मुरादाबाद में हाईवे चौड़ीकरण में आड़े आ रही दरगाह पर बुलडोजर एक्शन।

मुआवजा मिल चुका, मस्जिद का एक हिस्सा पहले ही हटा

दरगाह व मस्जिद प्रबंधन समिति को नियमानुसार मुआवजा भी दिया जा चुका है। इसके बाद मस्जिद का एक भाग पहले ही हटाया जा चुका था। जबकि बरामदा हटाने के लिए प्रबंधन समिति से कई बार अनुरोध किया गया था। लेकिन, दरगाह की मीनार व बरामदे को हटाने को लेकर कुछ संगठनों ने धरना-प्रदर्शन किया और धार्मिक आस्था का हवाला देते हुए प्रशासन से इसे नहीं हटाए जाने की मांग की थी।

डीएम शशांक त्रिपाठी ने निर्माणाधीन सड़क का किया निरीक्षण

बाराबंकी। शहर में बस स्टैंड से जनेस्मा कॉलेज होते हुए रेलवे स्टेशन तक बन रही सड़क का जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने पैदल चलकर निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे निर्माणाधीन मार्ग का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। लगभग 1.5 किमी लंबाई वाले इस मार्ग का निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य अवस्थापना निधि से कराया जा रहा है, जिसकी कुल लागत लगभग 308.51 लाख है। इस परियोजना के तहत सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, दोनों ओर नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग, स्ट्रीट लाइट लगाना, हरित पट्टी/पौधरोपण तथा सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही सड़क को व्यवस्थित और चौड़ा बनाने के लिए आरओडब्ल्यू से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इस मार्ग को एक मॉडल सड़क के रूप में तैयार किया जाए।

बोदामऊ गांव में भव्य श्री राम कथा, जयकारों से गूंजा क्षेत्र

डोणियावीर बाबा स्थल पर उमेश महाराज ने दिया मर्यादा और सद्भाव का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विकासखंड सूरतगंज की ग्राम पंचायत मीरपुर अंतर्गत बोदामऊ गांव में डोणियावीर बाबा के पावन स्थल पर श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और "जय श्री राम" के उद्घोष से गांव गुंजायमान रहा। कथा व्यास उमेश महाराज ने श्रद्धालुओं को श्री राम कथा का मर्म समझाते हुए कहा कि केवल कथा सुनना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धा है। उन्होंने भगवान श्रीराम के चरित्र को मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक बताते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति उनके पदचिह्नों पर चलने का प्रयास करे तो समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव की स्थापना संभव है। कथा के दौरान धर्म, संस्कार और सामाजिक एकता पर विशेष जोर दिया गया। महाराज ने कहा कि श्री राम कथा समाज और राष्ट्र के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है तथा हिंदू धर्म की परंपराओं और मूल्यों को सुदृढ़ करती है। कथा श्रवण से व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और वह बुराइयों से दूर होकर सद्मार्ग की ओर अग्रसर होता है। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

हंगामा : पुराना वीडियो पोस्ट किया, 2 दिन पहले मोहन भागवत ने कहा था- घरवापसी होनी चाहिए

मुसलमानों को खत्म करने वाले खुद खत्म हुए : मदनी

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत के 'मुसलमानों की घरवापसी' बयान पर हंगामा मच गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने अपना पुराना एक वीडियो X पर जारी किया है। हालांकि उन्होंने मोहन भागवत या RSS का नाम नहीं लिया। मदनी ने लिखा- क्या 20 करोड़ मुसलमानों को हिंदू बना दोगे? क्या 6 करोड़ ईसाइयों की भी घर वापसी कराओगे? ऐसे बयान देश को तबाही की ओर ले जाएंगे। जो 70 साल में कहने वाले पैदा नहीं हुए, वो आज 20 करोड़ मुसलमानों की 'घर वापसी' की बात कर रहे हैं। ऐसा लगता है मानो सिर्फ उन्होंने ही अपनी मां का दूध पिया हो। जो आवाज देश को तबाही और दुश्मनी की तरफ ले जाए, वह वफादारी की आवाज नहीं हो सकती। देश में नफरत का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'घर वापसी' के नाम पर 20 करोड़ मुसलमानों और 6 करोड़ ईसाइयों को धर्म बदलवाने की बात करना न केवल अव्यावहारिक है बल्कि संविधान और सामाजिक सद्भाव के खिलाफ भी है। भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अरशद मदनी के बयान पर कहा, हिंदुस्तान में तो पहली बात मुसलमान नहीं हैं। ये जमीयत वाला जो है, एक तो मुझे लगता है कि ये आतंकवादियों को कहीं ना कहीं लीगल एडवाइस भी देता है और वकील उपलब्ध कराता है।

> हिंदुओं की घटती जनसंख्या दर पर कहा, हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। अभी जनसंख्या दर 2.1 है। यह कम से कम 3 होनी चाहिए। जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते हैं, वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है। अब जो भी बच्चे शादी कर रहे हैं, उन्हें बताइए कि कम से कम तीन बच्चे पैदा करें।

मंत्री राजभर बोले- मौलाना शिक्षा की बात क्यों नहीं करते

मौलाना अरशद मदनी के बयान पर मंत्री ओपी राजभर ने कहा, ये मौलवी और मौलाना लोग जो बयान दे रहे हैं, वे समुदाय की शिक्षा के बारे में बात क्यों नहीं करते? वे समुदाय के स्वास्थ्य की चिंता क्यों नहीं करते? वे समुदाय के लिए रोजगार और नौकरियों के बारे में क्यों नहीं बोलते? वे समुदाय के हिस्सेदारी की बात क्यों नहीं करते? ये समुदाय को नफरत की भाषा पढ़ाते हैं।

मुगल और अंग्रेज हिंदू धर्म संस्कृति को मिटा नहीं सके

जातिवाद पर मोहन भागवत ने कहा, 500 साल मुगल और 200 साल अंग्रेज शासन कर चले गए, लेकिन हिंदू धर्म संस्कृति इतनी मजबूत है कि उसे मिटा नहीं सके। जब इतने सालों में हिंदू धर्म का कोई कुछ नहीं बिगड़ सका तो कोई अब क्या बिगाड़ पाएगा। समाज में जो जाति की विषमता फैल रही है, उसे दूर करना होगा। यह किसी सरकार या संगठन का काम नहीं है, बल्कि इसे समाज के प्रत्येक वर्ग और व्यक्ति को मिलकर करना होगा। अपनी बिरादरी के लोगों की शिक्षा और उन्नति का प्रयास करें।

पुरवा गांव में भोलेनाथ का पुष्पा दिवस श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न

वैदिक मंत्रोच्चारण और जयघोष से शिवमय हुआ माहौल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत शाहपुर के पुरवा गांव में भगवान भूतभावन भोलेनाथ के पुष्पा दिवस का आयोजन बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा गांव शिवमय हो उठा। इस पावन अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में बृजेश कुमार वर्मा (ग्राम शाहपुर) ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। जिसमें आचार्य नीरज कृष्ण शास्त्री एवं आचार्य देव कृष्ण शास्त्री (दोनों श्रीधाम वृंदावन) ने अपनी विद्वता से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनके मुखारविंद से निकले मंत्रों एवं शिव महिमा के वर्णन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आचार्यों ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए बताया कि भोलेनाथ अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा से शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उन्होंने सभी को सदाचार, संयम और भक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इस दौरान पंडित दीपक मिश्रा एवं पंडित रितेश मिश्रा ने पूजा-अर्चना एवं हवन कार्य संपन्न कराया। पूरे कार्यक्रम स्थल को आकर्षक फूलों एवं विद्युत झालरों से सजाया गया था। शिवभक्तों ने 'हर हर महादेव' के जयघोष के साथ वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

मथुरा में नहर में गिरी कार, 4 की मौत

दुर्घटना

इनमें 2 लॉ स्टूडेंट ■ लाश गाड़ी में फंसी रही, क्रेन से निकाला गया

तमसा संकेत, एजेंसी

■ मथुरा में बुधवार की देर रात एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई।

मथुरा । मथुरा में बेकाबू कार नहर में गिर गई। हादसे में 2 लॉ स्टूडेंट समेत 4 युवकों की मौत हो गई। सभी शादी में शामिल होने डीग जा रहे थे। रास्ते में ड्राइवर मोड़ नहीं देख पाया और कार 20 फीट गहरी नहर में जा गिरी।

इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ, लेकिन दो युवकों को नहीं निकाला जा सका। इसके बाद क्रेन मंगाकर कार को बाहर निकाला गया। तब जाकर दोनों युवकों के शव कार से बाहर निकाले गए। हादसा बुधवार देर रात मगोर्रा थाना के पास हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देर रात चारों युवक फ्रॉन्क्स कार (UP 85 CV 9856) से महावन से गोवर्धन होते हुए बाईपास मार्ग से डीग जा रहे थे। रास्ते में मोड़ आने के कारण ड्राइवर आगे का रास्ता सही से नहीं देख पाया। अचानक मोड़ आने से चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे नहर में जा गिरी।

गाड़ी के नहर में गिरने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने गाड़ी से दो युवकों को बाहर निकाला, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल टीम ने क्रेन की मदद से गाड़ी को बाहर निकाला।

इसमें से दो और युवकों को बाहर निकाला गया, लेकिन वे भी बचाए नहीं जा सके। हादसे के बाद पुलिस ने चारों युवकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए। एसपी देहात ने बताया कि सभी सबूत इकट्ठा कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हादसे में मृत चौथे युवक की पहचान की जा रही है।

मोड़ से रास्ता नहीं दिखा और कार नहर में गिरी

मृतकों की पहचान राहुल (23), अमित (22) और मोहित के रूप में हुई है। एक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। अमित और मोहित लॉ की पढ़ाई कर रहे थे, जबकि राहुल सिलाई का काम करता था। कार राहुल वर्मा के एडवोकेट भाई सज्जन सिंह की बताई जा रही है।

"स्थानीय लोगों ने कार को नहर में गिरते देखा और दौड़कर मौके पर पहुंचे। तुरंत बचाव कार्य में जुट गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने 2 लड़कों को गाड़ी का दरवाजा तोड़कर बाहर निकाल लिया।

नोएडा में 12 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

■ ई-मेल के जरिए मिली धमकी, 23 जनवरी को ऐसा ही मेल आया था स्कूलों सर्च-ऑपरेशन

नोएडा । नोएडा के करीब 12 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी का एक मेल आया है। यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। इसमें दावा किया गया है कि स्कूल परिसर में विस्फोटक रखे गए हैं। सूचना मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को को जानकारी दी। पुलिस ने स्कूलों में पहुंचकर एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। जांच में कहीं कोई विस्फोटक नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कई स्कूलों में धमकी भरा मेल आया है। ई-मेल को जांचने के लिए साइबर टीम ई-मेल की जांच में जुटी है। इससे पहले भी 23 जनवरी को करीब 20 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। यह धमकी ऐसे समय में मिली है जब स्कूलों में CBSE की परीक्षाएं चल रही हैं। ईमेल की जानकारी मिलते ही स्कूलों ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। कई स्कूलों ने अभिभावकों को मैसेज भेजकर जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए नोएडा पुलिस की भारी टीम मौके पर मौजूद है। पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमें हर स्कूल की सघन तलाशी ले रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे ईमेल के सोर्स को ट्रैक करने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल किसी भी स्कूल से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर जांच जारी है।

फास्ट न्यूज

टूटी सड़क के चलते बाइक सवार फिसलकर गिरा

आगरा। आगरा में गुरुवार को सड़क पर करीब 80 फीट लंबे गड्ढे के कारण एक बाइक सवार फिसलकर गिर गया। गिरते ही वह ट्रक के पहिए के नीचे आ गया और कुचल गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक का पहिया ऊपर से गुजरने के कारण शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को खरोंच करके ट्रक के पहिए के नीचे से बाहर निकाला।

रामाश्रम सत्संग मथुरा का आध्यात्मिक समारोह संपन्न

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की पावन नगरी मथुरा में शिवरात्रि के पावन अवसर पर रामाश्रम सत्संग मथुरा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय भव्य आध्यात्मिक समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान से ओतप्रोत इस समारोह में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु साधकों ने आत्मिक लाभ प्राप्त किया। समारोह के दौरान आध्यात्म के विविध आयामों—भक्ति, ध्यान, योग, आत्मचिंतन और जीवन मूल्यों—पर देश के अलग-अलग भागों से पधारे आचार्यों ने सारगर्भित व्याख्यान दिए।

ताज महोत्सव में विदेशियों ने लगाए ठुमके

आगरा । आगरा के ताज महोत्सव में विदेशी पर्यटकों ने जमकर डांस किया। जैसे ही महोत्सव में राजस्थानी ढोल-नगाड़ों की थाप गूंजी, विदेशी पर्यटक खुद को रोक नहीं पाए और भारतीय कलाकारों के साथ थिरकने लगे। इंग्लैंड से आए पर्यटकों ने कहा कि यहां का म्यूजिक और डांस उनके देश से अच्छा है। भारतीय संगीत में अनोखी ऊर्जा है। हम लोगों ने खूब एंजॉय किया।

जगमोहन में बांके बिहारी गर्भग्रह में लगा था ताला

कमेटी अध्यक्ष बोले- इससे श्रद्धालुओं को आसानी से होंगे दर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में भगवान के गर्भगृह और जगमोहन में रहने को लेकर विवाद चल रहा है। भगवान आज सुबह से जगमोहन यानी गर्भगृह के बाहर के परिसर में विराजमान हैं।

वहीं एक दिन पहले इसी विवाद के चलते भगवान की गर्भगृह में ताला लगा दिया गया था। जिसके बाद गोस्वामी और वहां मौजूद श्रद्धालु भड़क गए थे। 30 मिनट तक मंदिर परिसर में हंगामा चला। तब जाकर मंदिर के ऑफिस के सुपरवाइजर और कर्मचारियों ने ताला खोला और शाम साढ़े 4 बजे मंदिर के पट खुले।

ऐसे में अब आज फिर से भगवान के विराजमानी को लेकर सभी के मन में शंका बनी हुई है कि दोपहर तीन बजे के बाद भगवान कहां विराजेंगे। दरअसल, बांके बिहारी मंदिर में भगवान की दर्शन सेवा दिन में दो बार बदलती है। जिसमें से एक राजभोग दर्शन है और दूसरा शयनभोग दर्शन है। इस तरह से सेवा में लगे गोस्वामी भी दिन में दो बार बदलते हैं। राजभोग सेवा के लिए गोस्वामी सुबह 6 से लेकर दोपहर एक बजे तक रहते हैं। फिर शयनभोग सेवा के लिए दूसरी शिफ्ट के गोस्वामी दोपहर तीन बजे से लेकर रात साढ़े नौ बजे तक रहते हैं।

ऐसे में अब गोस्वामियों में भगवान बांके बिहारी के दर्शन का समय बढ़ाने और उनको विराजमान करने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है।

पकड़ा गया रिश्वतखोर इंस्पेक्टर

बोला-डील 1.5 लाख की, 75 हजार क्यों लाए?, पकड़ा गया तो गिड़गिड़ाया, बोला- बदनामी होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । एंटी करप्शन टीम ने बुधवार को बारा थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) को 75 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। गुरुवार को अदालत में पेशी के बाद आरोपी को नैनी जेल भेज दिया गया।

एंटी करप्शन टीम ने आरोपी इंस्पेक्टर विनोद कुमार सोनकर को रंगे हाथ पकड़ने के लिए करीब सवा पांच घंटे का ऑपरेशन चलाया था। ऑपरेशन सुबह 9:23 बजे शुरू हुआ और दोपहर 2:40 बजे निरीक्षक की गिरफ्तारी के साथ समाप्त हुआ।

जब शिकायककर्ता संतोष कुमार दुबे ने इंस्पेक्टर को 75 हजार रुपए दिए तो वह और रकम की मांग करने लगा। उसने कहा कि कुल डेढ़ लाख रुपए की बात हुई थी। तभी एंटी करप्शन टीम ने उसे दबोच लिया।

■ इसी थाने में तैनात था आरोपी इंस्पेक्टर।

एंटी करप्शन टीम ने बताया कि टीम बुधवार सुबह 9:23 बजे कलेक्ट्रेट पहुंची। वहां डीएम से मिलकर दो स्वतंत्र सरकारी गवाह की मांग की। डीएम के आदेश पर चकबंदी कार्यालय में तैनात दो जूनियर असिस्टेंट गवाह के रूप में उपलब्ध कराए गए।

इसके बाद टीम उन्हें लेकर एंटी करप्शन कार्यालय पहुंची। वहां शिकायतकर्ता संतोष के नोटों पर फेनोल्फथलीन पाउडर लगाया गया। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दोपहर 12:32 बजे ट्रैप टीम रवाना हुई। टीम में तीन इंस्पेक्टर, एक सब-इंस्पेक्टर और 13 कांस्टेबल/हेड कांस्टेबल शामिल थे।

रिश्वत के लिए शिकायतकर्ता को थाने बुलाया

योजना के अनुसार शिकायतकर्ता संतोष कुमार दुबे ने आरोपी इंस्पेक्टर को फोन किया। इंस्पेक्टर ने संतोष से थाने आने को कहा। इस पर ट्रैप टीम शिकायतकर्ता के साथ थाने पहुंची। शिकायतकर्ता को एक लोकसेवक गवाह के साथ थाने के अंदर भेजा गया।

उस समय आरोपी इंस्पेक्टर जनसुनवाई में बैठा था। शिकायतकर्ता को देखते ही उसने अपने ऑफिस की ओर जाने का इशारा किया। जनसुनवाई समाप्त होने के बाद वह अपने ऑफिस में गया। शिकायतकर्ता ने रुपये से भरा लिफाफा उसे सौंपा। आरोपी ने लिफाफा अपनी मेज की बाईं दराज में रख लिया।

ट्रैप टीम के सदस्य थाना परिसर में अलग-अलग स्थानों पर पहचान छिपाकर खड़े थे। कुछ सदस्य प्रभारी निरीक्षक कक्ष के दरवाजे के बाहर लगे शीशे से अंदर की गतिविधि पर नजर रख रहे थे। जैसे ही इंस्पेक्टर ने रुपए दराज में रखे, ट्रैप टीम भीतर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। नोटों से भरा लिफाफा भी टीम ने कब्जे में ले लिया।

■ इंस्पेक्टर विनोद कुमार सोनकर को पकड़ने के लिए एंटी करप्शन टीम ने सवा पांच घंटे ऑपरेशन चलाया।

स्टाफ की दुहाई देता रहा इंस्पेक्टर

जब एंटी करप्शन टीम ने अपना परिचय देकर इंस्पेक्टर को पकड़ा तो वह घबरा गया। पहले रौब झाड़ने की कोशिश की, फिर बोला कि बड़ी बदनामी होगी। जब टीम ने रियायत नहीं दी, तो उसने स्टाफ का हवाला देकर लिहाज करने की बात कही।

24 फ़रवरी को हरियाणवी - बॉलीवुड गायिका शिवा चौधरी की लाइव प्रस्तुति रहेगी मुख्य आकर्षण

मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में 'मृदंग-2026' का आगाज़

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'मृदंग-2026' का आयोजन 23 एवं 24 फ़रवरी को किया जाएगा। दो दिवसीय इस आयोजन में सांस्कृतिक विविधता, युवा प्रतिभा और नवाचार का संगम देखने को मिलेगा।

महोत्सव के संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. गौरव शर्मा ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक मंच प्रदान करना तथा देश के विभिन्न राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण विषयक गतिविधियों के साथ पारंपरिक लोक नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विविध राज्यों के व्यंजनों की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

23 फ़रवरी को सोलो डांस, एकल गायन, बैटल ऑफ बैंड्स, रैप बैटल, थीम आधारित फैशन शो तथा डीजे नाइट जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

इसी दिन 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना के अंतर्गत 'टॉयकाथॉन-2026' का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें छात्र भारतीय संस्कृति, प्राचीन ग्रंथों एवं पारंपरिक खेलों से प्रेरित स्वदेशी खिलौनों का निर्माण करेंगे। इस पहल का उद्देश्य देश के घरेलू खिलौना उद्योग को प्रोत्साहित करना तथा लुप्तप्राय पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करना है। शिवा चौधरी अपनी ऊर्जावान गायकी और हरियाणवी लोक शैली के आधुनिक फ्यूजन के लिए जानी जाती हैं। वे अपने चर्चित गीत "जले 1", "जले 2", "टैग आवारा के", "काले कागज", "सरपंच" एवं "फाइनेंसर" की प्रस्तुति देंगी।

"24 फ़रवरी को नुक्कड़ नाटक, समूह नृत्य प्रतियोगिता एवं विजेता प्रतिभागियों का सम्मान समारोह आयोजित होगा। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण हरियाणा की प्रसिद्ध गायिका एवं बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर शिवा चौधरी की लाइव प्रस्तुति रहेगी।

कॉलेज का जर्मन संस्था स्टाइनबाइस फाउंडेशन इंडिया से शैक्षिक करार

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। तकनीकी शिक्षा, नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद तथा एमआईईटी समूह ने स्टाइनबाइस फाउंडेशन इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी के अंतर्गत इंदरप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में भारत-जर्मन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र दोनों देशों के नवाचार तंत्र को जोड़ने, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने तथा आधुनिक तकनीकों के हस्तांतरण को गति देने का कार्य करेगा। इसके माध्यम से संयुक्त शोध, उद्यमिता विकास, कौशल उन्नयन तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों, सम्मेलनों और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। संस्थान प्रबंधन के अनुसार जर्मनी की उन्नत तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की प्रतिभा एवं रचनात्मक क्षमता के समन्वय से सतत विकास की दिशा में ठोस पहल संभव होगी। यह सहयोग विद्यार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण, आधुनिक कौशल और उद्योगोन्मुख शिक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। समझौता ज्ञापन पर स्टाइनबाइस फाउंडेशन इंडिया के अध्यक्ष विनीत गोयल तथा इंदरप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के उपाध्यक्ष पुनीत अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, विभिन्न औद्योगिक संगठनों तथा एक्सेल जियोमैटिक्स के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के पश्चात जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उद्योग क्षेत्र की चुनौतियों एवं जर्मन तकनीक के माध्यम से भारत में तकनीकी उन्नयन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

संस्थान प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल भारत और जर्मनी के बीच शैक्षिक एवं तकनीकी सहयोग को नई दिशा प्रदान करेगी तथा विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

'फ्री खाना मिलेगा ...

कोर्ट ने यह भी पूछा कि बिजली दरों की घोषणा के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक मुफ्त बिजली देने का फैसला क्यों किया।

मुफ्त राशन बांटने ...

सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही? तब कोर्ट अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र ने अदालत को बताया था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है।

डीपफेक रोकने के...

16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 CEOs और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।

पीएम ने सुझाव दिया कि जैसे खाने के सामान पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी स्पष्ट लेबल होना चाहिए। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि क्या असली है और क्या एआई द्वारा बनाया गया (फैब्रिकेटेड) है।

भारत ने दुनिया की 'कॉन्फिडेंशियल' सोच से अलग हटकर AI कोड को 'ओपन शेयर' करने की बात कही। पीएम का मानना है कि जब तकनीक सबके लिए खुली होगी, तभी दुनिया भर के युवा दिमाग उसे बेहतर और सुरक्षित बना पाएंगे। पीएम ने कहा कि AI नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि नए अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि हम ऐसे युग में हैं जहां इंसान और मशीन मिलकर क्रिएट करेंगे। उन्होंने स्किलिंग और रिस्किलिंग को एक 'मास मूवमेंट' बनाने पर जोर दिया। रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि जिस तरह जियो ने देश में डेटा सस्ता किया, उसी तरह अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी आम भारतीय तक किफायती दरों पर पहुंचाया जाएगा। इस दिशा में जियो और रिलायंस इंड्स्ट्रीज अगले सात साल में 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे।

अंबानी बोले- डेटा ...

AI से पैदा होने वाली चिंताओं पर अंबानी ने कहा कि एआई वह मंत्र है जो हर यंत्र को तेज, बेहतर और स्मार्ट तरीके से काम करने की शक्ति देता है। मैं एआई को आधुनिक अक्षय पात्र के रूप में देखता हूं, जो अंतहीन पोषण प्रदान कर सकता है। AI नौकरियां नहीं छीनेंगा बल्कि, यह हाई-स्किल काम के नए मौके पैदा करेगा।

ब्रजेश पाठक ने ...

बातचीत में ब्रजेश पाठक ने कहा था, 'ब्राह्मणों की शिखा खींचने वालों को महापाप लगेगा. किसी को टच करने का भी अधिकार नहीं है.' उनकी यह टिप्पणी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रुख से अलग मानी जा रही है और यह संकेत देती है कि बीजेपी में शंकराचार्य विवाद पर एकमत स्थिति नहीं बन सकी है.

डिप्टी सीएम के घर पहुंचे बटुकों ने कहा, 'ब्रजेश पाठक ने सराहनीय काम किया है. बटुक की शिखा ही सनातन पहचान है. शिखा खींचना सनातन का अपमान है. योगी आदित्यनाथ जैसा सनातनी सीएम पूरे देश में होना चाहिए.' उन्होंने पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की.

आज आवास पर देव स्वरूप छोटे बटुक ब्राह्मणों ने अतिथि स्वरूप पधारकर हमें और हमारे आवास की धराभूमि को धन्य किया है, सभी बटुक ब्राह्मणों का सपत्नीक आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और अब ब्रजेश पाठक दोनों के बयानों ने साफ कर दिया है कि शंकराचार्य विवाद पर योगी सरकार के भीतर भी अलग-अलग रायें मौजूद हैं. यह विपक्ष को बड़ा मौका देता है.

मां कामाख्या के ...

प्रियंका गांधी ने कहा कि दर्शन करने आई. मुझे यहां आकर बहुत अच्छा लगा. प्रियंका गांधी के साथ असम चुनाव के लिए कांग्रेस के पर्यवेक्षक डीके शिवकुमार भी थे. प्रियंका गांधी का यह दौरा संगठन के लिहाज से बहुत अहम माना जा रहा है. खास तौर पर ऐसे माहौल में, जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा जैसे कद्दावर नेता का बीजेपी में शामिल होना करीब-करीब तय बताया जा रहा है.

कांग्रेस के सूत्रों की मानें तो प्रियंका गांधी दो दिन के असम दौरे में प्रदेश स्तरीय नेताओं के साथ ही जिलाध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठकें करेंगी. चुनाव से पहले उनके इस दौरे का मकसद पार्टी संगठन में आंतरिक मतभेद सुलझाने के साथ ही उम्मीदवार चयन से पहले एकजुटता सुनिश्चित करना है. उनका फोक संगठन की मजबूती पर है.

किंग चार्ल्स के ...

उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जांच चल रही है, इस मामले पर आगे टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा।

वहीं एंड्रयू गिरफ्तारी की घोषणा से पहले जब प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से सवाल किया गया, तो उन्होंने बीबीसी से कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, जिसके पास भी कोई जानकारी है, उसे गवाही देनी चाहिए।

किंग चार्ल्स ने पिछले साल अक्टूबर में अपने छोटे भाई एंड्रयू से 'प्रिंस' का खिताब और सभी शाही उपाधियां वापस ले ली थीं। उन्हें विंडसर स्थित उनके आलीशान घर 'रॉयल लॉज' को भी खाली करने का आदेश दिया गया।

65 साल के एंड्रयू दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ के दूसरे बेटे हैं। एंड्रयू का नाम लंबे समय से अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ा रहा है।

एंड्रयू को 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' का खिताब इस्तेमाल करने से भी रोक दिया गया था। शाही उपाधियां छिन जाने के बाद अब प्रिंस एंड्रयू को 'एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर' के नाम से जाना जाता है।

वर्जिनिया गिफ्रे ने साल 2011 में अमेरिका के हाई प्रोफाइल वेश्यावृत्ति नेटवर्क का खुलासा कर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। उसने अपने साथ हुए यौन शोषण और तस्करी का खुलासा किया था। उसने कहा था कि जब वह सिर्फ 15 साल की थी, तभी एपस्टीन के नेटवर्क में फंस गई थीं।

एंड्रयू को उम्रकैद की ...

माना जा रहा है कि यह मामला उस समय से जुड़ा है जब एंड्रयू ब्रिटेन के ट्रेड एनवॉय (व्यापार दूत) थे। वह 2001 में इस पद पर नियुक्त हुए थे, लेकिन 10 साल बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उस समय उनका नाम अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर विवादों में आया था।

22 राज्यों-केंद्र...

यह चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है। इसमें घर-घर जाकर लोगों से फॉर्म भरवाकर वोटर लिस्ट अपडेट की जाती है। 18 साल से ज्यादा के नए वोटरों को जोड़ा जाता है। ऐसे लोग जिनकी मौत हो चुकी है या जो दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं, उनके नाम हटाए जाते हैं। नाम, पते में गलतियों को भी ठीक किया जाता है।

पहले फेज में बिहार में हुआ। फाइनल लिस्ट में 7.42 करोड़ वोटर्स हैं। दूसरे फेज के तहत उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में SIR की घोषणा हुई।

गगनयान मिशन के...

यह डायनेमिक टेस्ट डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) की स्पेशल हाई-स्पीड एयरोडायनेमिक और बैलिस्टिक मूल्यांकन सुविधा RTRS में पूरा हुआ।

समें इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन (ISRO) के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC), DRDO की एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (ADRDE) और TBRL की टीमों ने भाग लिया।

इसरो का गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी तकनीक से अंतरिक्ष में भेजकर सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है।

नए स्पोर्ट्स मिनिस्टर बोले- पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाने की मंशा

भारत-बीसीसीआई से रिश्ते सुधारना चाहता है बांग्लादेश

बांग्लादेश क्रिकेट टीम इस वर्ल्डकप में नहीं खेल रही है। टीम ने सुरक्षा करणों का हवाला देते हुए भारत में खेलने से मना कर दिया था।

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के नए स्पोर्ट्स मिनिस्टर अमीनुल हक BCCI और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को जल्दी सुलझाना चाहते हैं। उन्होंने बांग्लादेश के मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने का जिक्र किया। इस टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को अपने

मुकाबले मुंबई और कोलकाता में खेलने थे। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टीम ने भारत दौरे पर आने से इनकार कर दिया। इसके बाद ICC ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल करने का फैसला किया था। BNP ने एक्स पर एक पोस्ट में मोदी के बधाई संदेश के लिए धन्यवाद दिया।

हक ने कहा- शपथ लेने के बाद मैं पार्लियामेंट बिल्डिंग में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। मैंने उनसे टी-20 वर्ल्ड कप पर बात की। यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं क्योंकि हम अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी थी

इससे पहले 13 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी और रहमान के बीच पहली फोन बातचीत हुई थी। मोदी ने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी थी। उन्होंने कहा कि वे दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए साथ काम करने को उत्सुक हैं।

बांग्लादेश ने भारत में खेलने से इनकार क्यों किया, जानिए 2 वजह

1. बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हो रही हत्याओं के विरोध में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने बांग्लादेशी पेसर मुस्तफिजुर रहमान को IPL से बाहर करवा दिया। BCB ने इसका विरोध किया।

2. मुस्तफिजुर को बाहर किए जाने को बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों ने मुद्दा बना दिया। फिर यूनुस सरकार ने अपने देश में IPL प्रसारण पर बैन लगा दिया। इसके बाद क्रिकेट बोर्ड ने भारत में वर्ल्ड कप न खेलने की मांग की, जिसे ICC ने ठुकरा दिया।

भारत में खिलाड़ियों के सुरक्षा की चिंता- नजरुल

बांग्लादेश सरकार के पूर्व खेल मंत्री आसिफ नजरुल ने नेशनल टीम को भारत भेजने से मना किया था। उन्होंने कहा था, 'हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता है।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण BCCI ने मुस्तफिजुर रहमान को IPL में खेलने की अनुमति नहीं दी। उन्हें KKR ने 3 जनवरी को BCCI के कहने पर टीम से बाहर कर दिया था। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां IPL मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की। बाद में BCCI ने मुस्तफिजुर को IPL खेलने की अनुमति नहीं दी और 3 जनवरी को KKR ने उन्हें रिलीज कर दिया।

क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिसमें 65 वर्षीय अंपायर मणिक गुप्ता की मौत हो गई, जबकि 15 से 20 खिलाड़ी घायल हो गए। यह घटना बुधवार शाम शुक्लागंज क्षेत्र के सप्री मैदान में हुई। पुलिस के मुताबिक, कानपुर निवासी मणिक गुप्ता मैच में अंपायरिंग कर रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और अधिकारियों पर टूट पड़ा। हमले के बाद मैदान में अफरातफरी मच गई और खिलाड़ी व दर्शक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे प्रत्यक्ष-दर्शियों के मुताबिक, मधुमक्खियों के डंक से मणिक गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें पहले शुक्लागंज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया।

ईशान किशन टी-20 आईसीसी बैटर रैंकिंग के टॉप 10 में

17 पायदान की छलांग लगाई, पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की आतिशी पारी का फायदा

मुंबई, एजेंसी

ICC ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच ताजा टी-20 रैंकिंग जारी कर दी है। इंडिया के विकेट-कीपर बल्लेबाज ईशान किशन टॉप-10 बैटर्स में शामिल हो गए हैं। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्डकप में खेली गई 77 रनों की पारी का फायदा मिला। ईशान 17 पायदान चढ़कर बल्लेबाजों की लिस्ट में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। लिस्ट में टॉप पर भारत के ही अभिषेक शर्मा हैं। गेंदबाजी में भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दुनिया के नंबर-1 टी-20 गेंदबाज बने हुए हैं। वहीं, ऑलरा-उंडर्स की लिस्ट में पाकिस्तान के सईम अयूब एक बार फिर नंबर-1 बन गए हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पाकिस्तान के खिलाफ डक पर आउट होने के

बाद भी T20I बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल सॉल्ट दूसरे स्थान पर काबिज हैं। श्रीलंका के विस्फोटक बल्लेबाज पथुम निसंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैंडी में शानदार शतक जड़कर तीन स्थान की छलांग लगाई और तीसरे नंबर पर पहुंच गए। इंडिया के तिलक वर्मा भी एक पायदान की छलांग लगाते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स की कैटेगरी में नंबर-1की कुर्सी के लिए सईम अयूब और सिकंदर रजा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। पाकिस्तान के सईम अयूब ने भारत के खिलाफ कोलंबो में 25 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

पाक बैटर साहिबजादा फरहान को नुकसान

दूसरी तरफ पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 2 स्थान नीचे लुढ़क गए हैं। साहिबजादा अब 5वें स्थान पर खिसक गए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर को भी तीन स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह 7वें पायदान पर खिसक गए हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को भी एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है, बावजूद इसके दोनों बल्लेबाज टॉप-10 में बने हुए हैं। अब सीफर्ट 9वें जबकि हेड 10वें स्थान पर खिसक गए हैं।

वेस्टइंडीज की इस टी-20 वर्ल्डकप में लगातार चौथी जीत

इटली को 42 रन से हराया, शाई होप का अर्धशतक, शमार जोसेफ को 4 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्डकप के 37वें मुकाबले में इटली को 42 रन से हरा दिया। वेस्टइंडीज की इस वर्ल्डकप में यह लगातार चौथी जीत है। गुरुवार को दिन के पहले मैच में इटली ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 165 रन बनाए हैं। जवाब में इटली 18 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। ग्रुप-सी का यह आखिरी मुकाबला था। 166 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इटली के लिए बेन मैनेंटी ने 26, जेजे स्मट्स ने 24, एंथोनी मोस्का ने 19 और ग्रांट स्टीवर्ट ने 12 रन बनाए। बाकी 7 बैटर्स दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने 4, मैथ्यू फोर्ड ने 3 और गुडाकेश मोती ने 2 विकेट लिए। अकील हुसैन को भी 1 विकेट

मिला। वेस्टइंडीज के लिए शाई होप ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 46 बॉल पर 75 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा, रोस्टन चेज 24 और शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 24 रन बनाए। इटली के लिए क्रिशन कलुगमागे और बेन मैनेंटी ने 2-2 विकेट लिए। अली हसन और थॉमस ड्राका को 1-1 विकेट मिला। क्रिशन कलुगमागे ने सेट बल्लेबाज शाई होप को बोल्ड कर दिया। फुल लेंथ की फ्लाइटेड गेंद पर होप ने स्लॉग स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह चूक गए। गेंद सीधे स्टंप्स से जा टकराई और गिल्लियां बिखर गईं। होप ने 46 गेंदों पर 75 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। 12वें ओवर की तीसरी गेंद पर वेस्टइंडीज का तीसरा विकेट गिर गया। बेन मैनेंटी ने रोस्टन चेज को आउट कर इटली को तीसरी सफलता दिलाई। चेज लेंथ गेंद पर जगह बनाकर बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन गेंद बल्ले पर सही तरीके से नहीं आई और डीप फॉरवर्ड स्क्वायर लेग पर खड़े एजे मोस्का ने आसान कैच लपक लिया। रोस्टन चेज ने 25 गेंदों पर 24 रन बनाए।

दूसरे ओवर की 5वीं बॉल पर मैथ्यू फोर्ड ने वेस्टइंडीज को शुरुआती सफलता दिला दी। उन्होंने जस्टिन मोस्का को बोल्ड कर दिया। मोस्का बैकफुट पर ड्राइव खेलने गए, लेकिन जगह की कमी के कारण बल्ले और पैड के बीच बड़ा गैप रह गया। गेंद उसी गैप से निकलकर ऑफ स्टंप के ऊपरी हिस्से से टकरा गई। मोस्का 5 गेंदों में 2 रन बनाकर बोल्ड हो गए।

इटली की टीम 123 रन पर ऑलआउट

इटली की पारी 18वें ओवर में 123 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज ने 42 रन से शानदार जीत दर्ज करते हुए 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में अपना 100% जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखा। आखिरी ओवर में शमार जोसेफ ने मैच पूरी तरह खत्म कर दिया। 17.4 पर उन्होंने थॉमस ड्राका को आउट कराया। इसके बाद 17.6 पर अली हसन की पारी भी खत्म हो गई। गुड लेंथ गेंद पर बैकफुट से शॉट खेलने की कोशिश में उनका हल्का किनारा लगा और विकेटकीपर शाई होप ने कैच लपक लिया। अली हसन बिना खाता खोले आउट हुए।

फोर्ड ने मिड को आउट किया

मैथ्यू फोर्ड ने 17वें ओवर में जियान मीड को पवेलियन भेज दिया। यह इटली का 8वां विकेट रहा। ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ बॉल पर मीड ने ड्राइव खेलने के लिए हाथ फैलाए, लेकिन शॉट सीधा कवर-पॉइंट पर खड़े खिलाड़ी के हाथों में चला गया। वहां शमार जोसेफ ने आसान कैच लपकते ही हल्का सा जश्न भी मनाया। मीड 8 गेंदों में 4 रन बनाकर आउट हुए।

मनोरंजन

विजय देवरकोंडा का घर लाइट्स से जगमगाया

रश्मिका मंदाना के साथ शादी की चर्चा, जल्द उदयपुर में बंध सकते हैं शादी के बंधन में

मुंबई, एजेंसी

साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। दावा किया जा रहा है कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। इसी बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें विजय देवरकोंडा का घर फूलों और लाइट्स से सजा नजर आ रहा है। हालांकि, इस मामले में अब तक दोनों स्टार्स की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है। दरअसल, यह वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें देखा जा सकता है कि विजय देवरकोंडा के घर को लाइट्स से सजाया जा रहा था। इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट्स करना शुरू कर दिया।

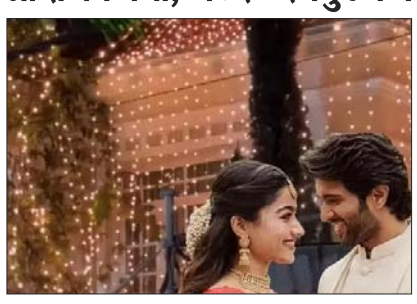

शादी के आयोजन की तैयारियां और माहौल

इंडिया टुडे के मुताबिक, शादी की रस्मों की तैयारियां पहले से ही शुरू हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और चर्चाओं ने पुष्टि की है कि दोनों सितारे इस आयोजन को बेहद प्राइवेट रखना चाहते हैं। यहां तक कि शादी में नो-फोन पॉलिसी की भी बात सामने आ रही है, ताकि निजी क्षणों को मीडिया और पब्लिक के कैमरों से बचाया जा सके। बेहद खास बात यह है कि शादी उदयपुर के किसी ऐतिहासिक महल या दरबार शैली के स्थल में होने की अटकलें हैं, जिससे यह आयोजन और भी भव्य होने की उम्मीद जताई जा रही है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक कार्ड वायरल हुआ, जिस पर विजय देवरकोंडा का नाम लिखा था। इसके बाद लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि यह दोनों की शादी का कार्ड है। कार्ड में लिखा था कि परिवार के आशीर्वाद से रश्मिका और विजय 26.02.26 को एक छोटे और निजी समारोह में शादी करेंगे। वे अपनी नई जिंदगी की शुरुआत अपनों के साथ करना चाहते हैं और उनका आशीर्वाद उनके लिए बहुत मायने रखता है।

उदयपुर जेल में बंद बॉलीवुड डायरेक्टर विक्रम भट्ट को जमानत

सुप्रीम कोर्ट का सुझाव- समझौते से सुलझाएं मामला, 30 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

उदयपुर, एजेंसी

फिल्म बनाने के नाम पर 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड डायरेक्टर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दोनों को नियमित जमानत (रेगुलर बेल) दे दी। विक्रम भट्ट के आज शाम तक उदयपुर जेल से बाहर आने की संभावना है। इससे पहले 13 फरवरी को श्वेतांबरी भट्ट को अंतरिम जमानत दी गई थी। वह जेल से बाहर आ चुकी हैं। विक्रम भट्ट को 7 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम सुझाव भी दिया है। कोर्ट ने दोनों ही पक्षों को मिडिएशन सेल (मध्यस्थता

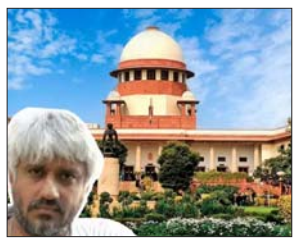

केंद्र) में जाने को कहा है। कोर्ट का मानना है कि दोनों पक्षों को वहां उपस्थित होकर आपसी समझौते से इस मामले को सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। विक्रम भट्ट के वकील कमलेश दवे ने कोर्ट में अपनी दलील पेश की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह एक तरह का कमर्शियल डिस्प्यूट (व्यापारिक विवाद) है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि इस मामले को मुंबई कोर्ट ट्रांसफर करने के लिए बेवजह मजबूर न किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 'घूसखोर पंडत' नाम हटाया गया

फिल्ममेकर नीरज पांडेय बोले- नया टाइटल अभी तय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत का नाम बदल दिया गया है। फिल्ममेकर नीरज पांडेय ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट दाखिल करके इसकी जानकारी दी। जिसमें बताया गया कि फिल्म का विवादित टाइटल हटा दिया गया है। अब इसका कहीं इस्तेमाल नहीं होगा। नया नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन जो भी रखा जाएगा, वह पुराने नाम जैसा या उससे मिलता-जुलता नहीं होगा। नीरज पांडेय ने कोर्ट में बताया कि नया नाम फिल्म की कहानी और उद्देश्य को सही ढंग से दिखाएगा और कोई गलत मतलब नहीं निकलेगा। इसके अलावा पुराने नाम से जुड़े सभी पोस्टर, ट्रेलर और प्रचार सामग्री भी पहले ही हटा दी गई

है। दरअसल 12 फरवरी को पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने फिल्ममेकर और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को फिल्म का नाम बदलने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ता अतुल मिश्रा ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है। नेटफ्लिक्स ने 3 फरवरी 2026 को मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' का ऐलान भी टीजर रिलीज करके किया गया था। लेकिन जैसे ही इसका टीजर जारी किया गया तो इसके टाइटल को लेकर विवाद शुरू हो गया है। लोग सड़कों पर उतर गए। इसके बाद यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया। टीजर में मनोज बाजपेयी सीनियर इंस्पेक्टर अजय दीक्षित के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें दिल्ली में 'पंडित' के नाम से जाना जाता है। फिल्म में उन्हें एक बदनाम पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है। टीजर के मुताबिक, दीक्षित 20 साल पहले एसआई के रूप में भर्ती हुए थे और अपने किए गए कारनामों की वजह से उन्हें बार-बार डिमोट किया गया। यह केवल क्रिएटिव फ्रीडम नहीं है बल्कि कला के नाम पर किसी समुदाय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है। उनका कहना है कि फिल्म का नाम केवल सनसनी फैलाने के इरादे से रखा गया है।

डॉक्टर बोले- वे रिकवरी कर रहे हैं, वेंटिलेटर से हटाया जा सकता है

सलमान के पिता सलीम खान की हालत स्थिर

मुंबई, एजेंसी

सलमान खान के पिता और दिग्गज स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ है, जिसके बाद बुधवार को उनकी एक छोटी सी सर्जिकल प्रोसीजर की गई। गुरुवार को भी परिवार के सदस्य, अरबाज खान, शूरा और हेलन समेत अस्पताल पहुंचे। लीलावती अस्पताल के डॉक्टर जलील पार्कर ने मीडिया से बातचीत में बुधवार को बताया था कि सलीम खान की डिजिटल सब्स्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी (DSA) की गई। यह कोई ब्रेन सर्जरी नहीं है। DSA एक हाईक्वालिटी का एक्स-रे होता है। इसमें शरीर की नसों में हुए ब्लॉकेज को ज्यादा साफ देखा जा

अभिनय के शुरुआती दिनों में सलीम खान 'प्रिंस सलीम' नाम का उपयोग करते थे।

सकता है। इसे सेरेब्रल एंजियोग्राफी भी कहा जाता है। डॉक्टर पार्कर के अनुसार, फिलहाल सलीम खान को डिस्चार्ज नहीं किया जाएगा। उन्हें कुछ दिनों तक डॉक्टर्स की निगरानी में रखा जाएगा। उनकी हालत स्थिर है और वे रिकवरी कर रहे हैं।

1960 के दशक में करियर शुरू हुआ था

सलीम खान 90 साल के हैं। उनका जन्म 24 नवंबर 1935 को हुआ था। वे हिंदी सिनेमा के दिग्गज स्क्रिप्ट राइटरों में शुमार हैं। सलीम खान ने अपने करियर की शुरुआत एक्टिंग से की थी। 1960 के दशक में फिल्म बारात से करियर शुरू हुआ, लेकिन फिल्मों में उन्हें सीमित और छोटे किरदार ही मिले।

अस्पताल प्रशासन ने बताया था कि सलीम खान को मंगलवार सुबह 8:30 बजे इमरजेंसी में लाया गया था। उनके इलाज के लिए डॉक्टरों की एक टीम बनाई गई है।

प्रभाव वाले इलाकों में 90% मौजूदगी, इसके दस्तावेजों में गाजा का ही जिक्र नहीं

गाजा में कंट्रोल बढ़ा रहा हमास

गाजा, एजेंसी

अक्टूबर में अमेरिका की पहल पर लागू हुए सीजफायर के बाद गाजा में हमास ने अंदरूनी मोर्चे पर अपनी पकड़ फिर मजबूत कर ली है। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा के एक कार्यकर्ता मोहम्मद दियाब ने कहा, 'हमास ने उन क्षेत्रों के 90% से अधिक हिस्से पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है जहां वह मौजूद है।' दियाब ने कहा, 'पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सड़कों पर लौट आई हैं। वे अपराध रोकने और जिन लोगों को सहयोगी या विरोधी मानते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं।' इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'बोर्ड ऑफ पीस' गुरुवार को वॉशिंगटन में अपनी पहली बैठक करेगा। इसमें करीब 60 देशों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में गाजा पट्टी के लिए ट्रम्प की शांति योजना पर रिपोर्ट पेश की जाएगी। हालांकि, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, पीस बोर्ड के शुरुआती दस्तावेज

में गाजा का ही स्पष्ट जिक्र नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि बोर्ड का मिशन गाजा से कहीं आगे, पूरी दुनिया में शांति लाना है। कई यूरोपीय देशों ने इसे ट्रम्प का पर्सनल प्रोजेक्ट बताया और इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। राष्ट्रपति पद खत्म होने के बाद भी वे चेयरमैन बने रह सकते हैं, क्योंकि यह पद उनकी राष्ट्रपति पद से स्वतंत्र है। केवल एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सर्वसम्मति से उन्हें हटाया जा सकता है (जो व्यावहारिक रूप से लगभग असंभव है।

ट्रम्प के कंट्रोल में होगा पूरा पीस बोर्ड

चार्टर के अनुसार, डोनाल्ड ट्रम्प को इनॉगुरल चेयरमैन (प्रथम अध्यक्ष) नामित किया गया है, और यह पद लाइफटाइम उनके द्वारा चुने गए उत्तराधिकारी तक रह सकता है। उनके पास वीटो पावर है बोर्ड के अधिकांश फैसलों को चेयरमैन की मंजूरी चाहिए होती है, जिसका मतलब है कि ट्रम्प किसी भी निर्णय को रोक सकते हैं। बोर्ड के सदस्यों को जोड़ने, हटाने एजेंडा तय करने, सब्सिडियरी बॉडी बनाने, ग्रुप भंग करने पर ट्रम्प का पूरा कंट्रोल होगा।

विश्व नेताओं को बुला रहे ट्रम्प, पाकिस्तान भी शामिल

ट्रम्प ने सोमवार को कहा था, 'हम सभी विश्व नेताओं को बुला रहे हैं।' हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि कितने राष्ट्राध्यक्ष खुद शामिल होंगे। बैठक डोनाल्ड जे. ट्रम्प यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में होगी। इस जगह का नाम हाल ही में बदला गया था। जर्मन न्यूज DW के मुताबिक करीब 60 देशों को बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा गया था, जिनमें से लगभग 27 देशों ने शामिल होने पर सहमति दी है।

ट्रम्प अक्टूबर 2025 में इजराइल पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने नेतन्याहू से मुलाकात की थी।

कई देशों ने शामिल होने से इनकार किया

कई देशों ने इसमें शामिल होने से मना कर दिया है, खासकर यूरोपीय देशों और कुछ सहयोगियों ने। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी आने से इनकार कर दिया है। उनकी जगह विदेश मंत्री गिदोन सार आएंगे। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने स्पष्ट कहा कि बोर्ड का काम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने बोर्ड में शामिल न होने का फैसला लिया, क्योंकि न्यूजीलैंड इसमें खास योगदान नहीं दे पाएगा ।

सीएम मरियम के लिए लग्जरी जेट खरीदने का आरोप

10 अरब रुपए कीमत, मंत्री बोलीं- सरकारी एयरलाइन के लिए खरीदा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में पंजाब सरकार पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज के लिए लग्जरी जेट खरीदने का आरोप लगा है। ट्रिब्यून एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक गल्फस्ट्रीम G500 मॉडल के इस विमान की कीमत करीब 10 अरब पाकिस्तानी रुपए है।विमान की खरीद को लेकर सोशल मीडिया में विवाद तेज हो गया है। दावा किया जा रहा है कि यह जेट मुख्यमंत्री मरियम नवाज के उपयोग के लिए खरीदा गया है। यूजर्स ने इसे VIP उड़ानों के लिए कॉल साइन 'पंजाब 2' का हवाला देकर उड़ाने के आरोप लगाए। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह विमान फिलहाल अमेरिका में रजिस्टर्ड है और अभी पाकिस्तान में इसका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। इसका रजिस्ट्रेशन नंबर N144S बताया जा रहा है। पंजाब की सूचना मंत्री अजमा बोखारी ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि यह जेट मुख्यमंत्री के लिए नहीं, बल्कि एयर

पंजाब के लिए तैयार की जा रही फ्लीट का हिस्सा है। लग्जरी जेट खरीदने का पूरा विवाद एक पायलट भर्ती विज्ञापन से शुरू हुआ। सर्विसेज एंड जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (S&GAD) की ओर से जारी इस विज्ञापन में गल्फस्ट्रीम जी-500 उड़ाने के लिए प्रशिक्षित पायलट को प्राथमिकता देने की बात कही गई थी। विज्ञापन सामने आते ही सवाल उठने लगे कि क्या सरकार पहले से ही इस मॉडल का विमान खरीद चुकी है। एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि इतनी अहम शर्त आमतौर पर तभी रखी जाती है, जब विमान पहले से संचालन में हो या बहुत जल्द शामिल होने वाला हो।

फास्ट न्यूज

कनाडा सरकार 296 गैंगस्टर डिपोर्ट करेगी

लुधियाना। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के प्रमुख आरोपी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ समेत कई अन्य गैंगस्टरों को कनाडा से डिपोर्ट करने की तैयारी चल रही है। कनाडा सरकार ने अवैध तरीके या रिफ्यूजी बनकर रहने वाले गैंगस्टरों को डिपोर्ट करने की मुहिम शुरू की है। का सर्वे किया जा रहा है। कनेडियन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (CBSA) ने अलग-अलग देशों के 296 गैंगस्टरों की सूची तैयार की है।

कनाडा ने 2025 में 2,800 भारतीयों को निकाला

ओटावा। कनाडा सरकार ने 2025 के पहले 10 महीनों में 2,831 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाला है। ये जानकारी कनाडा की कैनेडियन बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (CBSA) के आंकड़ों से सामने आई है। इसके मुताबिक पिछले साल कुल 18,785 लोगों को कनाडा से निकाला गया, जिनमें भारतीय दूसरे नंबर पर हैं। सबसे ज्यादा 3,972 लोग मेक्सिको के थे। इतना ही नहीं, अभी 29,542 लोगों को निकालने की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें 6,515 भारतीय भी शामिल हैं। यानी आने वाले समय में और भारतीयों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

सेंसेक्स 1236 अंक टूटा, 82,498 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 19 फरवरी को गिरावट है। सेंसेक्स 1236 अंक (1.48%) की गिरावट के साथ 82,498 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 365 अंक (1.41%) की गिरावट रही, ये 25,454 के स्तर पर बंद हुा। ऑटो, रियल्टी और बैंकिंग शेयर्स ज्यादा टूटे हैं। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस अपना इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) 23 फरवरी को खुलेगा।

टेक्सास में हनुमान जी की मूर्ति से ट्रम्प समर्थक नाराज

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के टेक्सास राज्य में हनुमान जी की मूर्ति पर ट्रम्प समर्थक नेता कार्लोस टुर्सियोस ने नाराजगी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया X पर लिखा कि यह इस्लामाबाद या नई दिल्ली नहीं है। यह शुगर लैंड, टेक्सास है।

टुर्सियोस ने कहा कि पिछड़े देशों के प्रावासी धीरे-धीरे टेक्सास और अमेरिका पर कब्जा कर रहे हैं। यह अमेरिका की तीसरी सबसे बड़ी मूर्ति क्यों है? हमला रोकिए।

बता दें कि हनुमान की 90 फीट ऊंची मूर्ति टेक्सास राज्य के 'श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर' में लगी है और इसे 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' कहा जाता है। कई लोग सोशल मीडिया पर टुर्सियोस के इस बयान का विरोध कर रहे हैं। कुछने उन पर नस्लभेदी सोच फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि प्रवासी समुदाय और अलग-अलग धर्मों के लोगों ने अमेरिकी समाज को मजबूत

कहा- ये दिल्ली नहीं, पिछड़े देशों के लोग अमेरिका पर कब्जा कर रहे

बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

कार्तिक गडा नाम के एक यूजर ने अमेरिका में बोली जाने वाली भाषाओं का चार्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि अमेरिका में 4.1 करोड़ घरों में स्पेनिश बोली जाती है, जबकि भारतीय भाषाएं टॉप 10 में भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि घर में बोली जाने वाली भाषा समाज में घुलने-मिलने का बड़ा संकेत है और भारतीय-अमेरिकी समुदाय काफी हद तक मुख्यधारा में शामिल हो चुका है।

बांग्लादेशी पीएम तारिक रहमान पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप

विपक्ष बोला- वो इलेक्शन में हेरफेर करने वाले इंजीनियर

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि तारिक रहमान चुनाव नतीजों में हेरफेर करने वाले इंजीनियर हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव में 'इंजीनियरिंग' यानी हेरफेर की गई और इसी वजह से BNP को 200 से ज्यादा सीटें मिलीं। बांग्लादेश में करीब 20 साल बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। जमात ए इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन और उसकी सहयोगी पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (NCP) ने आरोप लगाया है कि कई सीटों पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई। NCP नेता नसीरुद्दीन

पटवारी ने सबसे पहले फेसबुक पर तारिक रहमान को 'इंजीनियर' कहा। उनका पोस्ट लाखों लोगों तक पहुंचा और इसके बाद सोशल मीडिया पर मीम्स और मजाक की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने एआई से बनी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें तारिक रहमान को इंजीनियर की हेलमेट पहने दिखाया गया। कुछ लोगों ने तंज कसते हुए लिखा कि 'लंदन से इंजीनियर पास', क्योंकि तारिक रहमान 17 साल तक लंदन में निर्वासन में रहे थे। एक अन्य पोस्ट में लिखा गया कि 'बिना पढ़ाई के इंजीनियर बन गए।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपने हलफनामे में तारिक रहमान ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 'हायर सेकेंडरी' यानी 12वीं तक बताई है। ढाका, एजेंसी बांग्लादेश में विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान पर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि तारिक रहमान चुनाव नतीजों में हेरफेर करने वाले इंजीनियर हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव में 'इंजीनियरिंग' यानी हेरफेर की गई और इसी वजह से BNP को 200 से ज्यादा सीटें मिलीं। बांग्लादेश में करीब 20 साल बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने आम चुनाव में बड़ी जीत हासिल की।

नाम पूछकर माथे पर गोली मारने वाले सगे भाई गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ में एयरफोर्स के पूर्व अधिकारी का नाम पूछकर उनके माथे पर दो सगे भाइयों ने गोली मारी थी। गुरुवार को दोनों गिरफ्तार हो गए। दोनों के पास से 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई हीरो HF डीलक्स बाइक (UP 36R 8262) बरामद हुई है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों भाइयों की 28 नवंबर 2025 को अर्जुनगंज के पास क्लाउड किचन संचालक, एयरफोर्स के पूर्व अधिकारी अवधेश पाठक से कहासुनी हो गई थी। उस दिन ओवरटेक को लेकर आरोपी छोटे भाई अमित को गाली-गलौज और थप्पड़ मारे गए। दिवंगत मां को गाली दी गई जिससे वह अपमानित महसूस कर रहा था। तभी से बदला लेने का फैसला किया था। प्लानिंग के तहत,

लखनऊ में पूर्व अधिकारी ने मां की गाली दी थी, बदला लेने के लिए फायर किया

30 जनवरी 2026 की रात दोनों भाई शॉपिंग स्क्वायर अंसल पहुंचे। पुलिस के अनुसार, जब अवधेश पाठक अपनी कार में बैठने जा रहे थे, तब बड़े भाई दुर्गेश ने उन्हें बातों में उलझाया। इसी बीच, अमित ने पास आकर तमंचा निकाला और अवधेश के माथे पर गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी सुल्तानपुर रोड के रास्ते अमेठी भाग गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी (दक्षिणी) ने आठ टीमों का गठन किया।

इमरान की रिहाई के लिए यूथ फोर्स बनी

खैबर में अटक ब्रिज पर समर्थकों ने कब्जा किया

- खैबर प्रदेश के अटक ब्रिज पर इमरान खान को छुड़ाने के लिए समर्थकों ने कब्जा किया।
- अटक पुल पर कब्जे के बाद वाहनों की लंबी लाइन देखी गई।

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान में हालात बेकाबू हो रहे हैं। इमरान की पार्टी पाक तहरीक-ए-इंसाफ(PTI) के हजारों समर्थकों ने खैबर सूबे में सामरिक और रणनीतिक रूप से अहम अटक ब्रिज पर बुधवार को कब्जा जमा लिया है। ब्रिज के दोनों ओर इमरान

समर्थकों के जमावड़े के कारण वाहन अटके हुए हैं। पीटीआई के तेवरों को देखते हुए पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद, पेशावर व रावलपिंडी कैंट से लगभग 5 हजार फौजी रवाना किए हैं। उधर, खैबर के मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी ने रिहाई के लिए युवाओं की इमरान रिलीज फोर्स बनाने का ऐलान किया है। इमरान के समर्थन में तहाफुज पार्टी (TTP) ने भी इस्लामाबाद कूच का ऐलान किया है।

चीनी रोबोट विवाद के बाद प्रोफेसर को नौकरी की तलाश

नई दिल्ली। चाइनीज रोबोट को गलगोटिया यूनिवर्सिटी का इन्वेंशन बताने वाली प्रोफेसर नेहा सिंह अब नई नौकरी की तलाश में हैं। उन्होंने लिंक्डइन प्रोफाइल पर 'ओपन टू वर्क' का स्टेटस अपडेट कर दिया है। इस मामले के आने के बाद सरकार ने यूनिवर्सिटी को AI समिट से बाहर कर दिया था। वहीं यूनिवर्सिटी ने इस पूरे मामले के लिए प्रोफेसर को जिम्मेदार ठहराते हुए माफी मांगी है। यूनिवर्सिटी ने कहा, हमारी एक प्रतिनिधि को सही जानकारी नहीं थी। वे कैमरे पर आने के उत्साह में गलत तथ्य दे गईं। उन्हें प्रेस से बात करने के लिए अधिकृत भी नहीं किया गया था। विवाद पर बात करते हुए आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा, हम चाहते हैं कि लोग एक्सपो में जो भी प्रदर्शित करें, उसमें उनका वास्तविक काम दिखे। हम नहीं चाहते कि ऐसे आयोजनों का इस्तेमाल किसी और तरीके से किया जाए। गलत जानकारी को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता।

इस साल 21 हजार रुपए चढ़ा, चांदी एक दिन में ₹8,432 महंगी

सोन ₹3151 महंगा हुआ, ₹1.55 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज 19 फरवरी को लगातार दूसरे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,151 रुपए बढ़कर होकर 1.55 लाख पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी 8,432 रुपए बढ़कर 2.45 लाख पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 21,540 और चांदी 14,810 महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी

बनाया था। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। भारतीय परिवारों के पास मौजूद कुल सोने की वैल्यू 5 ट्रिलियन डॉलर (450 लाख करोड़) के पार निकल गई है। यह आंकड़ा देश की कुल 4.1 ट्रिलियन डॉलर यानी, 370 लाख करोड़ रुपए की GDP से भी ज्यादा है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

- **ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी:** सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं।
- **खरीदारी की मात्रा :** दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। बल्क खरीदारी पर मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।
- **लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन:** हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं।
- **पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य:** ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह भी मायने रखता है। जिन ज्वेलर्स के पास पुराने और सस्ते रेट पर खरीदा हुआ स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत वसूल सकते हैं।

हलफनामा : 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में एससी में हलफनामा, जांच में सहयोग भी करेंगे

बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाऊंगा : अनिल अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी

अनिल अंबानी ने आज यानी 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें उन्होंने वचन दिया है कि वे अदालत की अनुमति के बिना भारत छोड़कर नहीं जाएंगे। यह हलफनामा उनके रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (ADAG) की कंपनियों से जुड़ी 40,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी की जांच के बीच आया है। अंबानी ने अदालत को यह भी भरोसा दिलाया है कि वे ED और CBI द्वारा की जा रही जांच में पूरी तरह से सहयोग करेंगे। ये दोनों एजेंसियां अनिल धीरूभाई अंबानी

ग्रुप (ADAG) की कंपनियों के खिलाफ जांच कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि एजेंसियां इस बात की भी तुरंत जांच करें कि क्या बैंक अधिकारियों की इस धोखाधड़ी में कोई मिलीभगत थी। दिसंबर 2019 तक ये अमाउंट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (NPA) बन गए। RHFL का 1,353 करोड़ और RCFL का 1,984 करोड़ अभी तक बकाया है।

जांच में फंड्स के गलत इस्तेमाल का खुलासा

ED ने अब तक की अपनी जांच में पाया है कि रिलायंस होम फाइनेंस (RHFL) और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस (RCFL) में बड़े पैमाने पर फंड्स का गलत इस्तेमाल हुआ। 2017 से 2019 के बीच यस बैंक ने RHFL में 2,965 करोड़ और RCFL में 2,045 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया था।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

वकील मुकुल रोहतगी की तरफ से किए मौखिक वादे की पुष्टि

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनिल अंबानी ने अपने हलफनामे में आधिकारिक तौर पर उस अंडरटेकिंग (वचन) को अपना लिया है, जो उनकी ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने 4 फरवरी को कोर्ट में पेश की थी। तब रोहतगी ने अदालत को मौखिक रूप से आश्वस्त किया था कि अंबानी देश छोड़कर नहीं जाएंगे। अब लिखित हलफनामा दाखिल होने के बाद यह कानूनी रूप से जरूरी हो गया है।

सालाना 90 लाख होगा कार प्रोडक्शन

कार कंपनियां 1 लाख करोड़ लगा 65% बढ़ाएंगी उत्पादन

मुंबई, एजेंसी

देश की पांच बड़ी कार कंपनियां अगले 5-6 साल में करीब 1 लाख करोड़ रुपए निवेश करके उत्पादन क्षमता 65% तक बढ़ाने जा रही हैं। इससे कारों का सालाना उत्पादन 55 लाख से बढ़कर 90 लाख तक पहुंच सकता है। बढ़ती मांग के बीच इससे सप्लाई बढ़ेगी, नए मॉडल आएंगे और लोकप्रिय मॉडलों के लिए इंतजार की अवधि घट सकती है। देश की बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों मारुति सुजुकी इंडिया, टोयोटा फिलोस्कर मोटर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आक्रामक विस्तार की योजना बनाई है। इसके तहत भारी-भरकम निवेश से नए कारखाने खोले जाएंगे। एसयूवी, ईपी और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर

जोर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि आगामी वर्षों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। नतीजतन अभी के मुकाबले कम कीमतों पर बेहतर फीचर वाली कारें बाजार में आ सकती हैं। कंपनी अभी सालाना 26 लाख कारें बना सकती है। 2027 से 2030 के बीच अतिरिक्त 15 लाख कारों की उत्पादन क्षमता जोड़ेगी। गुजरात के गांधीनगर में सालाना 10 लाख कारों का नया बड़ा प्लांट लगेगा। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच कंपनी बाजार हिस्सेदारी बचाना चाहती है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96